Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 187 | गुरुवार, 16 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

मामूरा में इलेक्ट्रिक बाइक की स्पार्किंग से भीषण आग, दो की मौत; 50 परिवारों का रेस्क्यू

सीएम ने लिया संज्ञान, फायर विभाग ने घंटों चलाया राहत एवं बचाव अभियान

कपिल चौहान

नोएडा। थाना फेज-3 क्षेत्र के मामूरा गांव में एक बहुमंजिला मकान में इलेक्ट्रिक बाइक में स्पार्किंग होने से भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे भवन के अंदर रहने वाले करीब 50 परिवार फंस गए। घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। सूचना मिलते ही फायर विभाग की कई गाड़ियां और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर भवन में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और आग पर

काबू पाया। घटना के दौरान इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने भी मामले का संज्ञान लिया है और अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने तथा घायलों को समुचित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण इलेक्ट्रिक बाइक में हुई स्पार्किंग बताया जा रहा है। पुलिस और फायर विभाग की टीम आग लगने के सटीक कारणों की जांच कर रही है। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जबकि प्रशासन प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने में जुटा है।

अयोध्या राम मंदिर चंदे की चोरी पर एसआईटी रिपोर्ट: साख बचाने के लिए दबाया गया मामला, टीनू यादव निकला मुख्य विलेन?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने अपनी रिपोर्ट तैयार कर ली है और जल्द ही इसके नतीजे सौंपे जाने की उम्मीद है। SIT की समय-सीमा मंगलवार को खत्म हो रही है और रिपोर्ट तब दाखिल किए जाने की संभावना है जब इसके निष्कर्षों और सिफारिशों को अंतिम मंजूरी मिल जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, इस रिपोर्ट में न सिर्फ.राम मंदिर दान में हुई कथित चोरी के लिए सीधे तौर पर ज़िम्मेदार लोगों की पहचान की जाएगी, बल्कि उन अधिकारियों की भी पहचान की जाएगी जिनकी लापरवाही इस घटना की वजह बनी हो सकती है। सूत्रों ने बताया कि SIT ने राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी के आरोपी लोगों और इस मामले को संभालने में लापरवाही बरतने वाले लोगों की अलग-अलग पहचान की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कथित चोरी इसलिए हो पाई क्योंकि राम मंदिर ट्रस्ट और बैंक के बीच हुए समझौते के तहत तय प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया था। सूत्रों के मुताबिक, SIT ने यह भी बताया है कि कथित चोरी की जानकारी होने के बावजूद, काफी समय तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि राम मंदिर ट्रस्ट की साख को नुकसान पहुंचने के डर से मामले को दबाने की कोशिशें की गईं।

टिन्नू यादव की भूमिका पर सवाल

सूत्रों ने यह भी बताया कि SIT ने टिन्नू यादव पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता को लेकर सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इसी जरूरत से ज्यादा निर्भरता की वजह से कथित अनियमितताएं बिना किसी रोक-टोक के जारी रहीं।

खबरों के मुताबिक, SIT ने यह भी पाया है कि कथित तौर पर चोरी किए गए पैसे का कुछ हिस्सा टिन्नू यादव और मामले के अन्य आरोपियों से बरामद किया गया था। उम्मीद है कि जांच के नतीजों और सुझावों को औपचारिक रूप से अंतिम रूप देने के बाद रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाई कोर्ट के रेप के प्रयास फैसले पर उठाए गंभीर सवाल, कहा- रिसर्च में रही बड़ी कमी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाने से पहले पूरी तरह से रिसर्च न किए जाने पर चिंता जताई है। कोर्ट को बताया गया कि पटना हाई कोर्ट ने माना था कि किसी महिला की सलवार उतारने की कोशिश करना और उसकी छाती दबाकर शारीरिक छेड़छाड़ करना 'रेप की कोशिश' (attempt to rape) का अपराध नहीं माना जाएगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने कहा कि वह पटना हाई कोर्ट के हालिया फैसले की समीक्षा करके एक विस्तृत आदेश जारी करेगी। मंगलवार को एक वकील ने सुप्रीम कोर्ट को पटना हाई कोर्ट के इस आदेश के बारे में जानकारी दी। यह जानकारी इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले पर स्वतः संज्ञान (suo motu) लेकर की जा रही सुनवाई के दौरान दी गई, जिसमें कहा गया था कि नाबालिग लड़की के स्तन पकड़ना, उसके पजामे का नाड़ा खोलना और उसे पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश करना 'रेप की कोशिश' के अपराध के दायरे में नहीं आता है। भारतीयनौसेना जानकारी

सुनवाई के दौरान, बेंच ने नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी की एक्सपर्ट कमेटी द्वारा पेश की गई उस रिपोर्ट को मंजूरी दी, जिसमें यौन अपराध के मामलों में न्यायिक संवेदनशीलता (judicial sensitivity) से जुड़े दिशा-निर्देश दिए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने देश की सभी अदालतों को निर्देश दिया कि वे उसके द्वारा मंजूर की गई हैंडबुक या गाइडलाइंस में इस्तेमाल किए गए शब्दों का सख्ती से पालन करें।

भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर प्लांट पर खतरा! डार्क वेब पर लीक हुईं हजारों सीक्रेट फाइलें

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। एक रैंसमवेयर ग्रुप ने भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट, कुडनकुलम से जुड़ी हजारों फाइलें कथित तौर पर जारी की हैं। एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी है कि इससे प्लांट की सुरक्षा के गंभीर खतरा हो सकता है।

हैकर ग्रुप 'वर्ल्ड लीक्स' ने डार्क वेब पर तमिलनाडु के कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट से जुड़ी 19,000 से अधिक संवेदनशील फाइलें पोस्ट करने का दावा किया है।

ये डॉक्यूमेंट लगभग 8,58,000 फाइलों के उस बड़े संग्रह का हिस्सा हैं, जिन्हें कथित तौर इस प्रोजेक्ट से जुड़े कॉन्ट्रैक्टर में से एक, रिलायंस ग्रुप से चुराया गया था। रिलायंस ग्रुप ने रॉयटर्स को पुष्टि की कि थर्ड पार्टी इंडियन डेटा सेंटर प्रोवाइडर 'योटा' द्वारा होस्ट किए गए सर्वर पर उनके डेटा में आंशिक सेंध लगी है। उन्होंने कहा कि सरकार को इसकी जानकारी दे दी गई है। कंपनी ने यह नहीं बताया कि किस डेटा में सेंध लगी है।

जो फाइलें लीक हुईं उनमें क्या है?

रॉयटर्स ने 2016 से 2025 के मध्य तक के लीक हुए दस्तावेजों की समीक्षा की, लेकिन उनकी प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं कर सका। खबरों के अनुसार, फाइलों में वेंटिलेशन और कूलिंग सिस्टम के इंजीनियरिंग ब्लूप्रिंट, कॉमन कंट्रोल रूम के फ्लोर लेआउट, इक्विपमेंट इंस्पेक्शन रिपोर्ट, सप्लायर लिस्ट और वेंडर प्रपोजल, मीटिंग रिकॉर्ड और इश्योरेंस पॉलिसी शामिल हैं। ये दस्तावेज मुख्य रूप से कुडनकुलम प्लांट की यूनिट 3 और 4 से संबंधित हैं, जो अभी निर्माणाधीन हैं और 2027 तक चालू होने की उम्मीद है। ऐसा लगता है कि इनमें न्यूक्लियर रिएक्टर के कोर सिस्टम के डिजाइन शामिल नहीं है, जिन्हें रूस की सरकारी कंपनी रोसाटॉम सप्लाई करती है।

एक्सपर्ट्स ने दी सुरक्षा

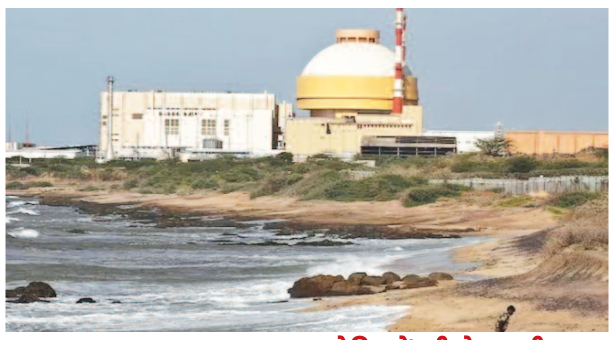

जोखिमों की चेतावनी

न्यूक्लियर थ्रेट इनिशिएटिव के सीनियर डायरेक्टर निकोलस रोथ ने कहा कि डेटा ब्रीच से प्लांट की सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता है। उन्होंने रॉयटर्स से कहा कि इससे किसी दुश्मन को न केवल यह पता चल सकता है कि प्रोजेक्ट तक किसकी पहुंच है, बल्कि यह भी पता चल सकता है कि वह पहुंच किन सिस्टम तक है।

हालांकि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि चालू रिएक्टर सिस्टम से छेड़छाड़ हुई है, लेकिन साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि लीक हुई जानकारी दुश्मन ताकतों के लिए फिर भी मूल्यांकन हो सकती है। हमलावर संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर या थर्ड पार्टी सप्लाई की कमजोरियों का फायदा उठा सकते हैं।

घटना की जांच जारी

सूत्रों के मुताबिक, भारत की कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम, न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के साथ मिलकर इस ब्रीच की जांच कर रही है। डेटा सेंटर प्रोवाइडर 'योटा' ने बताया कि 29 मई को उसे एक सर्वर पर संदिग्ध गतिविधि का पता चला और संदिग्ध रैंसमवेयर हमले को रोक दिया गया, लेकिन बाद में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने उसे डेटा लीक होने के दावों के बारे में जानकारी दी। एटॉमिक एनर्जी डिपार्टमेंट और प्रधानमंत्री कार्यालय, दोनों में से किसी ने भी रॉयटर्स की जांच पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की। 'वर्ल्ड लीक्स' जिसने पहले टाटा ग्रुप और नाइकी को निशाना बनाया था, उसने भी कोई जवाब नहीं दिया। यह घटना भारत के अहम इंफ्रास्ट्रक्चर की साइबर सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच हुई है। साइबर सुरक्षा कंपनी 'सर्फशार्क' के अनुसार, पिछले साल भारत में 2.89 करोड़ (28.9 मिलियन) अकाउंट्स के साथ छेड़छाड़ हुई, जिससे यह दुनिया भर में डेटा लीक से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में से एक बन गया।

सुप्रीम कोर्ट परिसर में हंगामा करने वाले प्रबल प्रताप समेत दो गिरफ्तार, सीजेआई को दी थी गाली

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट परिसर में हंगामा करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने आरोपी छात्र प्रबल प्रताप सिंह समेत दो छात्रों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में तिलक मार्ग थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 132, 221, 224, 3(5) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, आरोपी प्रबल प्रताप सिंह (24 वर्षीय) और चंद्रभान (23 वर्षीय) लखनऊ विश्वविद्यालय में एलएलबी के छात्र हैं। दोनों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के सुरक्षा कर्मियों की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। गौरतलब है कि प्रबल प्रताप सिंह ने कोर्ट की कार्यवाही के दौरान हंगामा किया था और सीजेआई के खिलाफ अभद्र भाषा का भी इस्तेमाल किया था।

यह घटना 10 जुलाई 2026 को सुप्रीम कोर्ट के कोर्ट नंबर-13 में एसएलपी संख्या 31367/2026 प्रबल प्रताप एवं अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य आयुक्त मामले की सुनवाई के दौरान हुई थी। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, याचिकाकर्ता के रूप में स्वयं पेश हुए प्रबल प्रताप सिंह ने जानबूझकर अदालत की कार्यवाही में बाधा डाली। आरोप है कि उन्होंने अभद्र और असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया, कोर्ट रूम के भीतर कागजात फेंके और हंगामा कर न्यायालय की कार्यवाही बाधित की। पुलिस के अनुसार, जब सुरक्षा कर्मियों ने अदालत की गरिमा बनाए रखने और उन्हें नियंत्रित करने का प्रयास किया, तो प्रबल प्रताप सिंह ने शिकायतकर्ता के साथ कथित तौर पर धक्का-मुक्की और बल प्रयोग किया और उनके कर्तव्य में बाधा डाली। 10 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस केवी विश्वनाथम और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच प्रबल प्रताप की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता प्रबल प्रताप खुद ही अपने केस की पैरवी कर रहे थे। यह पूरा मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश से जुड़ा था। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुनवाई शुरू होते ही वह जजों पर चिल्लाने लगा। उन्होंने जजों को 'जुडिशियल सर्वेंट' (न्यायिक नौकर) कहना शुरू कर दिया।

मणिपुर में असम राइफल्स कैंप पर भीड़ का हमला, तीन वाहन फूंके; तलाशी अभियान के बाद भड़की हिंसा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर के सेनापति जिले में असम राइफल्स के एक कैंप पर मंगलवार रात हिंसक भीड़ ने हमला कर दिया। भीड़ ने कैंप पर पथराव किया, तोड़फोड़ की और सुरक्षा बलों के तीन वाहनों को आग के हवाले कर दिया। यह घटना उस तलाशी अभियान के कुछ घंटे बाद हुई, जिसे असम राइफल्स ने विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर चलाया था। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी (PRO) के अनुसार, असम राइफल्स को सूचना मिली थी कि माकुइलोंगदी इलाके में हथियारबंद उग्रवादी मौजूद हैं। यह स्थान एनएससीएन (आईएम) के ओकलोंग स्थित निर्धारित कैंप से करीब दो किलोमीटर पश्चिम में है। इसी सूचना के आधार पर इलाके में गश्त और तलाशी अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने बताया कि खुफिया रिपोर्ट और सोशल मीडिया पोस्ट से पता चला था कि कुछ हथियारबंद उग्रवादी निर्धारित

कैंपों से बाहर हथियार और वर्दी के साथ घूम रहे थे। इसे संघर्षविराम (सीजफायर) के नियमों का उल्लंघन माना गया। इस संबंध में सीजफायर मॉनिटरिंग ग्रुप (सीएफएमजी) को भी औपचारिक रूप से जानकारी दी गई थी। वहीं, तलाशी अभियान के दौरान जब असम राइफल्स की टीम माकुइलोंगदी और ओकलोंग गांवों की ओर बढ़ी, तब स्थानीय लोगों, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं, ने जवानों को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश की। इससे इलाके में तनाव बढ़ गया। अधिकारियों के मुताबिक, रात करीब नौ बजे खबर मिली कि सेनापति शहर में बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो रहे हैं और असम राइफल्स कैंप की ओर बढ़ने की तैयारी कर रहे हैं। इसके बाद सुरक्षा बलों की टीम तलाशी अभियान से वापस लौट आई। इसके बावजूद रात करीब 9:30 बजे बड़ी भीड़ कैंप तक पहुंच गई और पथराव शुरू कर दिया। भीड़ ने कैंप की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के साथ आगजनी की भी कोशिश की।

'सिर्फ अपना कमरा बदला है, घर नहीं': टीएमसी के बागी गुट में शामिल हुए ममता के करीबी मदन मित्रा; क्या-क्या कहा?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक मदन मित्रा पार्टी के बागी गुट में शामिल हो गए हैं। इस बागी गुट का नेतृत्व राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी कर रहे हैं। इस कदम से पार्टी के अंदर जारी विवाद और गहरा हो गया है। मदन मित्रा को टीएमसी की सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का करीबी माना जाता है।

पार्टी के सभी पदों से दिया इस्तीफा

कमरहाटी से विधायक मदन मित्रा ने घोषणा की कि उन्होंने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी के तहत काम करने वाली सभी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय समितियों से इस्तीफा दे दिया है।

विधायक ने यह भी कहा कि उन्होंने पार्टी के मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) के पद से भी तत्काल प्रभाव से इस्तीफा

दे दिया है। ऋतब्रत बनर्जी से मुलाकात करने के बाद मदन मित्रा ने पत्रकारों से कहा, मैंने सिर्फ अपना कमरा बदला है, घर नहीं। मैं अभी भी टीएमसी में ही हूं। यह ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी गुट के लिए एक और बड़ा झटका माना जा रहा है। पिछले कुछ महीनों से पार्टी के अंदर बड़े स्तर पर बगावत चल रही है, जिससे नेतृत्व को लगातार मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

पार्टी में विवाद उस समय और बढ़ गया, जब ऋतब्रत बनर्जी और उनके समर्थकों ने दावा किया कि अब पार्टी के मुख्य कार्यालय का नियंत्रण उनके पास है। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी का एक अलग संगठन ढांचा बनाने की भी घोषणा कर दी। मदन मित्रा के ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट में शामिल होने पर टीएमसी (ममता बनर्जी गुट) के नेता कल्याण बनर्जी ने कहा, जो लोग विधायक और सांसद हैं, वे जो करना चाहते हैं, कर सकते हैं। पश्चिम बंगाल की जनता और टीएमसी के कार्यकर्ता ममता दीदी के साथ हैं। उन्होंने आगे कहा, अभी मुझे टीएमसी के कानूनी प्रकोष्ठ से जुड़े वकीलों ने बताया कि डायमंड हार्बर के स्थानीय विधायक वकीलों को अदालत में प्रवेश नहीं करने दे रहे हैं। पश्चिम बंगाल में हालात ऐसे ही हैं। वहीं, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी के नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने कहा, मुझे दुख है कि उन्हें हमें छोड़कर जाना पड़ा। उन्हें इस्तीफा देने की कोई जरूरत नहीं थी। उन्होंने आगे कहा, लेकिन उन्होंने उनके बेटे और पत्नी को बुलाया था। इसलिए शायद उन्होंने अपना मानसिक बल खो दिया और उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। वहीं, टीएमसी (ममता बनर्जी गुट) की सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा, इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है। कल ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनकी पत्नी, बहुओं और बेटों को समन भेजा था, तो वह ईडी के समन पर ही गए हैं। वह ईडी के बुलावे पर गए हैं। हमें यह समझना चाहिए कि जो व्यक्ति परसों तक ऋतब्रत के गुट को बुरा-भला कह रहा था, आज वही व्यक्ति वहां जाकर ऋतब्रत के बगल में बैठ रहा है।

संपादक की कलम से

हमारी भाषाएँ मर रही हैं, हम अंग्रेजी में उनका श्राद्ध कर रहे हैं

सुप्रीम कोर्ट का हालिया प्रश्न – क्या अंग्रेजी को भारत की स्वदेशी भाषा माना जा सकता है?–सिर्फ न्यायालय का सवाल नहीं, भारत की भाषाई चेतना पर दस्तक है। यह बहस अंग्रेजी के पक्ष–विपक्ष की नहीं, उस मानसिकता की है जिसने आजादी के आठ दशक बाद भी भाषा को आत्मसम्मान नहीं, हैसियत का पैमाना बना रखा है। ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ आई अंग्रेजी आज विश्वविद्यालयों, न्यायालयों, प्रशासन, विज्ञान, तकनीक और कॉरपोरेट जगत की प्रमुख भाषा है। करोड़ों भारतीय इसे शिक्षा और रोजगार का माध्यम बना चुके हैं, इसलिए इसे पूरी तरह विदेशी कहना यथार्थ से मुंह मोड़ना होगा। पर क्या लंबे उपयोग से कोई भाषा स्वदेशी हो जाती है? यदि हाँ, तो स्वदेशी का आधार इतिहास होगा, संस्कृति या सुविधा? सुप्रीम कोर्ट ने भाषा नहीं, भारतीय आत्मविश्वास का प्रश्न उठाया है। वही आत्मविश्वास जिसने कभी संस्कृत, पाली, प्राकृत, तमिल, हिंदी, बंगाली, मराठी, उड़िया, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, असमिया और सैकड़ों बोलियों के बल पर विश्व को ज्ञान दिया, लेकिन आज अपने ही देश में स्वयं को सिद्ध करने के लिए विदेशी भाषा का सहारा खोजता है। इस प्रश्न का सबसे बड़ा कटघरा हमारी न्याय व्यवस्था है। संविधान के अनुच्छेद 348 के तहत सर्वोच्च न्यायालय और अधिकांश उच्च न्यायालयों की कार्यवाही व निर्णय आज भी अंग्रेजी में होते हैं। विडंबना यह है कि न्याय उसी नागरिक के लिए लिखा जाता है, जो उसकी भाषा नहीं समझता। स्वयं न्यायालय भी मान चुका है कि फैसलों और आदेशों का भारतीय भाषाओं में अनुवाद आवश्यक है, क्योंकि न्याय तभी सार्थक है, जब वह जनता की भाषा में पहुंचे। फिर भी अदालतों में अंग्रेजी का प्रभुत्व निर्विवाद है। लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ यदि जनता की भाषा से दूर रहेगा, तो न्याय और नागरिक के बीच दूरी बनी रहेगी। क्या केवल वर्षों के प्रयोग से अंग्रेजी स्वदेशी हो जाएगी, या न्याय व्यवस्था को भारतीय भाषाओं से जोड़ना ही लोकतांत्रिक सुधार होगा? यह प्रश्न केवल भाषा का नहीं, न्याय तक समान पहुंच का है। आज का सबसे कठोर सत्य यह है कि अंग्रेजी भारत में केवल भाषा नहीं, वर्गीय शक्ति का प्रतीक बन चुकी है। यही भाषा कुछ के लिए अवसरों का द्वार है, तो लाखों के लिए अदृश्य दीवार। महंगे विद्यालय, आईआईटी, आईआईएम, बहुराष्ट्रीय कंपनियां और वैश्विक संस्थाएं इसे योग्यता की पहली शर्त मानती हैं। वहीं गांव का प्रतिभाशाली विद्यार्थी, दलित–बहुजन युवा और मातृभाषा में शिक्षित लाखों छात्र क्षमता नहीं, भाषा की बाधा से पीछे छूट जाते हैं। तीन–भाषा नीति पर वर्षों से जारी बहस और दक्षिण भारत का प्रतिरोध इसी भाषाई वर्चस्व की आशंका का संकेत है। यदि अंग्रेजी को स्वदेशी मान लेने से यह असमानता और गहरी होती है, तो क्या हम नई गुलामी को ही वैधता नहीं दे रहे? कभी सत्ता तलवार से चलती थी, आज भाषा के प्रमाणपत्र से चलती है। इतिहास इस बहस का सबसे ईमानदार साक्षी है। 1835 में लॉर्ड मैकॉले ने स्पष्ट लिखा था कि उसका उद्देश्य ऐसे भारतीय तैयार करना है, जो रक्त और रंग से भारतीय, लेकिन विचार, नैतिकता, रुचि और बुद्धि से अंग्रेज हों। यह केवल शिक्षा नीति नहीं, मानसिक उपनिवेश की योजना थी। स्वतंत्र भारत ने राजनीतिक आजादी तो पा ली, पर भाषाई स्वाधीनता का संघर्ष अधूरा रह गया। समय के साथ अंग्रेजी का स्वरूप भी बदला है।

ललित शर्मा
संपादक

धरती का विलाप; मानवीय दुष्कृत्यों से कराहती सृष्टि

एन०के०शर्मा
लेखक

जब किसी माँ की आँखों में आँसू आ जाते हैं तो केवल उसका परिवार ही नहीं, सम्पूर्ण अस्तित्व व्याकुल हो उठता है। किन्तु यदि स्वयं धरती माँ रो रही हो, यदि पर्वतों का धैर्य टूट रहा हो, यदि नदियाँ विष पीने को विवश हों, यदि महासागर प्लास्टिक और रसायनों के बोझ तले दम तोड़ रहे हों, यदि जंगल अपनी हरियाली खोकर राख में परिवर्तित हो रहे हों और यदि आकाश स्वयं धुएँ की कालिमा से अपना नीला आँचल बचाने में असमर्थ हो जाए, तब यह केवल पर्यावरणीय संकट नहीं रह जाता; यह मानव सभ्यता के नैतिक, आध्यात्मिक और अस्तित्वगत पतन का उद्घोष बन जाता है। आज धरती का विलाप किसी कवि की कल्पना नहीं, बल्कि एक कठोर वैश्विक यथार्थ है, जिसे अनसुना करना आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के साथ सबसे बड़ा विश्वासघात होगा।

मानव इतिहास का प्रत्येक युग अपने पीछे किसी न किसी उपलब्धि की अमिट छाप छोड़ गया। किन्तु वर्तमान युग संभवतः वह पहला युग है जिसने विकास के नाम पर प्रकृति के अस्तित्व को ही संकट में डाल दिया। विज्ञान, उद्योग, तकनीक और आर्थिक प्रगति निस्संदेह मानव बुद्धि की अद्भुत उपलब्धियाँ हैं, परन्तु जब यही उपलब्धियाँ विवेकहीन उपभोग, अंधाधुंध दोहन और प्रकृति-विरोधी जीवनशैली का माध्यम बन जाएँ, तब वे वरदान नहीं, विनाश का शिलालेख बन जाती हैं। मनुष्य ने स्वयं को पृथ्वी का स्वामी समझ लिया, जबकि वह केवल उसका एक उत्तरदायी संरक्षक था। यही अहंकार आज समस्त संकटों की जड़ बन चुका है।

विकास की अंधी प्रतिस्पर्धा ने जंगलों को कंक्रीट के जंगलों में बदल दिया। लाखों वर्षों में विकसित जैव-विविधता कुछ दशकों में ही समाप्त होने लगी। जिन वृक्षों ने अनगिनत पीढ़ियों को जीवनदायिनी वायु प्रदान की, उन्हें मशीनों की गर्जना के बीच निर्ममता से काट दिया गया। जिन नदियों को भारतीय संस्कृति ने माँ का दर्जा दिया, उन्हें औद्योगिक अपशिष्टों, रासायनिक कचरे और सीवेज का नाला बना दिया गया। जिन पर्वतों को स्थिरता और धैर्य का प्रतीक माना जाता था, उन्हें विस्फोटों से छलनी कर खनिज सम्पदा के नाम पर खोखला किया जा रहा है। यह केवल संसाधनों का दोहन नहीं, बल्कि प्रकृति की आत्मा पर लगातार किए जा रहे प्रहार हैं।

जलवायु परिवर्तन आज भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान का कठोर सत्य है। कहीं असहनीय तापमान जीवन को झुलसा रहा है, कहीं अप्रत्याशित वर्षा सम्पूर्ण नगरों को डुबो रही है, कहीं सूखे से खेत बंजर हो रहे हैं तो कहीं हिमनद तेजी से पिघलकर समुद्रों का स्तर बढ़ा रहे हैं। मौसम का स्वाभाविक चक्र असंतुलित हो चुका है। यह असंतुलन किसी दैवीय प्रकोप का परिणाम नहीं, बल्कि मानवीय दुष्कृत्यों का प्रतिफल है। प्रकृति प्रतिशोध नहीं लेती, वह केवल संतुलन स्थापित करती है, और जब संतुलन बिगड़ता है तो उसका प्रभाव सम्पूर्ण सृष्टि को भुगतना पड़ता है। वायु, जो जीवन का प्रथम आधार है, आज स्वयं जीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा बनती जा रही है। महानगरों की हवा में साँस लेना धीरे-धीरे विषपान करने जैसा हो गया है। बच्चों के फेफड़े समय से पहले रोगग्रस्त हो रहे हैं, वृद्धजन श्वसन संबंधी बीमारियों से जूझ रहे हैं और असंख्य लोग प्रदूषणजनित रोगों के कारण असमय मृत्यु का शिकार हो रहे हैं। विडम्बना यह है कि जिस हवा को प्रकृति ने निःशुल्क और निर्मल बनाया था, उसे शुद्ध करने के लिए आज बाजार में मशीनें बिक रही हैं। यह आधुनिक सभ्यता की सबसे बड़ी विडम्बनाओं में से एक है।

समुद्र, जिन्हें पृथ्वी का हृदय कहा जाता है, प्लास्टिक, तेल रिसाव और रासायनिक प्रदूषण से कराह रहे हैं। असंख्य समुद्री जीव मानव की उपभोक्तावादी संस्कृति का शिकार बन रहे हैं। प्लास्टिक के सूक्ष्म कण अब केवल समुद्रों में ही नहीं, बल्कि मानव रक्त, भोजन और गर्भस्थ शिशुओं तक पहुँच चुके हैं। प्रकृति हमें बार-बार चेतावनी दे रही है कि जो विष हम पृथ्वी में घोल रहे हैं, वही अंततः हमारे शरीर और हमारी संतानों के भविष्य में प्रवेश कर रहा है। वन्यजीवों का संकट केवल जीव-जंतुओं के अस्तित्व का प्रश्न नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता का प्रश्न है। प्रत्येक विलुप्त होती प्रजाति प्रकृति की एक मौन भाषा का अंत है। जब किसी पक्षी का अंतिम गीत समाप्त होता है, तब केवल एक जीव नहीं मरता; प्रकृति का एक सम्पूर्ण अध्याय समाप्त हो जाता है। मानव ने अपनी सुविधाओं के लिए उन जीवों का आवास छीन लिया जिनके बिना पृथ्वी का जैविक संतुलन संभव ही नहीं।

दुखद तथ्य यह है कि पर्यावरणीय संकट केवल प्राकृतिक समस्या नहीं रहा; यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और नैतिक संकट का रूप ले चुका है। जल के लिए संघर्ष, भोजन की कमी, पर्यावरणीय विस्थापन, महामारी, सीमावर्ती तनाव और संसाधनों पर बढ़ती प्रतिस्पर्धा आने वाले समय में विश्व व्यवस्था को गहराई से प्रभावित कर सकती है। यदि प्रकृति का संतुलन निरंतर बिगड़ता रहा तो भविष्य के युद्ध केवल सीमाओं के लिए नहीं, बल्कि पानी, भोजन और स्वच्छ हवा के लिए भी लड़े जा सकते हैं। भारतीय दर्शन ने सदैव प्रकृति को देवत्व प्रदान किया। पृथ्वी को माता, जल को जीवन, अग्नि को ऊर्जा, वायु को प्राण और आकाश को चेतना का प्रतीक माना गया। यह दृष्टि केवल धार्मिक आस्था नहीं थी; यह पर्यावरणीय संतुलन का शाश्वत विज्ञान था। किन्तु आधुनिक मनुष्य ने इस सांस्कृतिक चेतना को अंधाधुंध उपभोग की संस्कृति में बदल दिया। उसने प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का मार्ग छोड़कर उस पर प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास किया, और यही प्रयास आज मानवता को विनाश के द्वार तक ले आया है।

सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि हम संकट को जानते हैं, उसके कारणों को भी समझते हैं, समाधान भी हमारे सामने हैं, फिर भी हमारी जीवनशैली बदलने को तैयार नहीं। हम पृथ्वी बचाने के सम्मेलन करते हैं, संधियाँ करते हैं, घोषणाएँ करते हैं, परन्तु व्यवहार में उपभोग, अपव्यय और प्रदूषण की गति पहले से अधिक तीव्र होती जा रही है। यदि नीति और व्यवहार के बीच यही दूरी बनी रही, तो आने वाले दशकों में इतिहास हमें सबसे अधिक स्वार्थी और सबसे कम दूरदर्शी पीढ़ी के रूप में याद करेगा। धरती का विलाप किसी भाषा का मोहताज नहीं। वह सूखती नदियों में सुनाई देता है, वह पिघलते हिमनदों में दिखाई देता है, वह जलते जंगलों की लपटों में महसूस होता है, वह प्रदूषित वायु की घुटन में साँस लेता है और वह हर उस बच्चे की आँखों में झलकता है जिसका भविष्य हमारी वर्तमान लापरवाहियों की कीमत चुका रहा है। यह करुण पुकार हमसे दया नहीं, उत्तरदायित्व की माँग कर रही है।

अब समय आ गया है कि विकास की परिभाषा बदली जाए। वह विकास जो प्रकृति का विनाश करे, वह प्रगति नहीं, आत्मघात है। वास्तविक समृद्धि वही है जिसमें उद्योग भी हों और जंगल भी; शहर भी हों और नदियाँ भी जीवित रहें; विज्ञान भी आगे बढ़े और पर्यावरण भी सुरक्षित रहे; आर्थिक विकास भी हो और जैव-विविधता भी संरक्षित रहे। यही संतुलन मानव सभ्यता के दीर्घकालिक अस्तित्व की आधारशिला है। यह केवल सरकारों, वैज्ञानिकों या अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है। प्रत्येक नागरिक, प्रत्येक परिवार, प्रत्येक उद्योग, प्रत्येक विद्यालय, प्रत्येक प्रशासनिक तंत्र और प्रत्येक राष्ट्र को अपनी भूमिका ईमानदारी से निभानी होगी। वृक्षारोपण को उत्सव नहीं, जीवन का संस्कार बनाना होगा। जल संरक्षण को अभियान नहीं, दैनिक अनुशासन बनाना होगा। उपभोग को आवश्यकता तक सीमित करना होगा और अपव्यय को सामाजिक अपराध की दृष्टि से देखना होगा। प्रकृति के साथ न्याय किए बिना मानवता का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

यदि आज भी मानव अपने अहंकार, लालच और असीम उपभोग की प्रवृत्ति पर नियंत्रण नहीं करता, तो आने वाला समय इतिहास के सबसे भीषण पर्यावरणीय, आर्थिक और मानवीय संकटों का साक्षी बनेगा। तब न आधुनिक तकनीक हमें बचा पाएगी, न आर्थिक समृद्धि और न ही राजनीतिक शक्ति। प्रकृति के न्यायालय में केवल वही सभ्यताएँ जीवित रहती हैं जो संतुलन का सम्मान करती हैं। आज धरती मौन होकर भी चीख रही है। उसके आँसू हिमनदों के पिघलते जल में बह रहे हैं, उसकी पीड़ा सूखती नदियों की दरारों में दिखाई दे रही है, उसकी वेदना जंगलों की राख में बिखरी है और उसका आर्तनाद विषैली हवा के प्रत्येक झोंके में सुनाई दे रहा है। प्रश्न यह नहीं कि धरती कब तक सहन करेगी; प्रश्न यह है कि मानव अपनी विवेकहीनता कब छोड़ेगा।

यह समय इतिहास का सबसे निर्णायक क्षण है। या तो मानव प्रकृति के साथ पुनः सह-अस्तित्व का संकल्प लेकर पृथ्वी को जीवन, हरियाली और संतुलन लौटाए, अथवा अपने ही हाथों लिखे जा रहे महाविनाश के इतिहास का अंतिम अध्याय पढ़ने के लिए तैयार रहे। निर्णय आज भी हमारे हाथ में है, किन्तु अवसर अनन्त नहीं। यदि धरती का यह विलाप भी हमारी चेतना को नहीं जगा सका, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें केवल प्रकृति के विनाशक के रूप में नहीं, बल्कि उस पीढ़ी के रूप में स्मरण करेंगी जिसने चेतावनियाँ सुनकर भी मौन रहने का अपराध किया।

गौरव का क्षण: रासायनिक विज्ञान में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए भारतीय वैज्ञानिक सम्मानित

डॉ विजय गर्ग
लेखक

भारत के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि एक भारतीय वैज्ञानिक को रासायनिक विज्ञान (केमिकल साइंसेज) के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया है।

यह सम्मान केवल एक वैज्ञानिक की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे भारतीय वैज्ञानिक समुदाय की प्रतिभा, परिश्रम और नवाचार की वैश्विक स्तर पर स्वीकृति का प्रतीक है।

रासायनिक विज्ञान आधुनिक जीवन की आधारशिला है। दवाइयों के विकास से लेकर स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण, कृषि उत्पादन, जल शुद्धिकरण और नई सामग्रियों (मैटेरियल्स) के निर्माण तक, रसायन विज्ञान का योगदान मानव जीवन के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देता है।

इस क्षेत्र में भारतीय वैज्ञानिकों की बढ़ती उपलब्धियाँ यह दर्शाती हैं कि भारत वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार में निरंतर नई ऊँचाइयाँ छू रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय वैज्ञानिकों ने हरित रसायन (ग्रीन केमिस्ट्री), नैनो प्रौद्योगिकी, औषधीय रसायन, उत्प्रेरण (कैटेलिसिस), पदार्थ विज्ञान और पर्यावरणीय रसायन जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय शोध किए हैं।

इन शोधों ने न केवल वैज्ञानिक ज्ञान को समृद्ध किया है, बल्कि जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा, स्वास्थ्य और सतत विकास जैसी वैश्विक चुनौतियों के समाधान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

किसी भी वैज्ञानिक उपलब्धि के पीछे वर्षों का कठिन परिश्रम, धैर्य, जिज्ञासा और निरंतर प्रयोग छिपा होता है।

प्रयोगशालाओं में अनगिनत घंटे बिताकर, असफलताओं से सीखते हुए और नए विचारों को विकसित करते हुए ही कोई शोध विश्व स्तर पर पहचान प्राप्त करता है।

इसलिए ऐसे सम्मान वैज्ञानिकों के समर्पण और दृढ़ संकल्प का सम्मान भी हैं। यह उपलब्धि देश के युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। आज जब भारत अनुसंधान, नवाचार और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, तब विज्ञान के क्षेत्र में मिलने वाली ऐसी अंतरराष्ट्रीय मान्यताएँ विद्यार्थियों को वैज्ञानिक बनने और शोध कार्यों में योगदान देने के लिए प्रेरित करती हैं।

विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में वैज्ञानिक सोच, प्रयोगधर्मिता और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। भारत को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में और अधिक सशक्त बनाने के लिए अनुसंधान संस्थानों को आधुनिक सुविधाएँ, पर्याप्त वित्तीय सहायता और उद्योग-जगत के साथ मजबूत सहयोग उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। जब वैज्ञानिकों को अनुकूल वातावरण और संसाधन मिलते हैं, तो वे ऐसे नवाचार कर सकते हैं जो समाज और मानवता के लिए लाभकारी सिद्ध होते हैं। रासायनिक विज्ञान में भारतीय वैज्ञानिक को मिला यह सम्मान इस बात का प्रमाण है कि भारत वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

यह उपलब्धि हमें याद दिलाती है कि ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार ही किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति हैं। यदि हम विज्ञान को प्राथमिकता देते रहें और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करें, तो भारत आने वाले वर्षों में विश्व के अग्रणी वैज्ञानिक देशों में अपनी स्थिति और मजबूत करेगा। यह सम्मान केवल एक वैज्ञानिक की सफलता नहीं, बल्कि पूरे भारत की वैज्ञानिक क्षमता, प्रतिभा और उज्ज्वल भविष्य का उत्सव है।

हे मेरे ईश्वर-अल्लाह

किशन भावना

कविता

हे मेरे ईश्वर–अल्लाह, मेरी बस यही विनती है,
प्रेम से भरी हुई आँखें देना, हर जीव के लिए ममता रहे
श्रद्धा से झुका हुआ सिर देना, अहंकार न रहे,
सहयोग करते हुए हाथ देना, हर दुखी का जीवन सँवारते रहे

सहयोग के उन हाथों को सेवा का पावन वरदान देना
सत्यपथ पर चलते हुए पाँव देना, अन्याय की राह न देना
सिमरन–भक्ति करता हुआ मन देना, हर साँस में तेरा नाम देना
विनम्रता से भरा हृदय देना, सबको अपना बनाए वरदान देना

सबको अपना मानूँ, ऐसी वाणी भी मधुर बना देना
कटु शब्दों के स्थान पर मुस्कानों का अमृत बरसा देना।
क्षमा का ऐसा दीप जलाना, क्रोध का हर अँधेरा हर लेना
करुणा की गंगा बहाना, सूखे मनों को भी तर कर देनाँ

करुणा की उस गंगा में विश्वास की धारा भी बहती रहे
हर कठिनाई में तेरी कृपा मेरा अटल सहारा बनती रहे।
संघर्षों में धैर्य देना, सफलता में सदा विनम्रता रहे
हर कर्म ऐसा कराना, तेरा ही यश बढ़ता रहे।

तेरा यश ही मेरी पहचान बने, यही जीवन का सम्मान देना
हर पल तेरा शुकराना हो, हर साँस में तेरा ही गुणगान देना
किशन जब तक यह जीवन रहे, तेरी राह का मुसाफि र रहूँ
हे मेरे ईश्वर–अल्लाह, तेरी रजा में ही हर पल, राजी रहूँ

राम मंदिर दान लूट : कुतर्कों की इंतेहा ?

निर्मल रानी
लेखिका

प्रभु श्री राम मंदिर, अयोध्या में दान व चढ़ावे के पैसों व बहुमूल्य वस्तुओं की कथित लूट जैसे शर्मनाक कृत्य की चौतरफा निंदा की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी चंदा व चढ़ावा चोरी मामले में दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुये केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया है तथा उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) को अब तक हुई जांच की रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इस घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और घोर निंदनीय बताते हुये कहा है कि दानपात्र से हुई चोरी ने 'पूरे हिंदू समाज' और राम भक्तों की श्रद्धा और भावनाओं को गहरी चोट पहुंचाई है जिससे संघ परिवार भी पूरी तरह आहत है। संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि इस 'महापाप' में शामिल हर एक दोषी को कठोरतम सजा मिलनी चाहिए और चंदे की पवित्रता से कोई समझौता नहीं हो सकता। संघ ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि आस्था का मामला है।

परन्तु सुप्रीम कोर्ट व संघ की चिंताओं से इतर एक वर्ग ऐसा भी है जो इस बेहद अफसोसनाक मामले पर भी राजनीति का ऐसा लेप चढ़ाने की कोशिश कर रहा है जिससे विषय की गंभीरता को कम किया जा सके और भक्तों का ध्यान दूसरी तरफ भटकया जा सके।

उदाहरणार्थ राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे की कथित चोरी के मामले पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर सनातन धर्म, राम भक्तों की आस्था और अयोध्या की छवि को वैश्विक स्तर पर बदनाम करने का गंभीर आरोप लगाया है। योगी ने कहा कि विपक्ष एक 'छोटी सी घटना' को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने भारत की आस्था, अयोध्या की विरासत और प्रभु राम के नाम पर हमला करने का जैसे 'ठेका' ले रखा है।

उन्होंने कहा कि जिन्होंने कभी भगवान राम के अस्तित्व को ही नकार दिया था, वे आज मंदिर के चंदे के नाम पर मचल रहे हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्होंने राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थीं, वे आज राम मंदिर की पवित्रता पर सवाल उठा रहे हैं? मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोगों की गलती की वजह से पूरे ट्रस्ट या अयोध्या को कटघरे में खड़ा करना गलत है।

उधर स्वयं को 'हिंदू रक्षा दल' का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताने वाला गाजियाबाद का एक व्यक्ति जिसने एक सार्वजनिक लंगर के दौरान एक मुस्लिम व्यक्ति हाथों से प्रसाद की थाली यह कहकर छीन ली थी कि 'यह लंगर मुल्लाओं के लिये नहीं'।

\इसी व्यक्ति ने अब राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे की चोरी के मामले पर बेहद विवादित और अजीबोगरीब बयान दिया है। उस ने इस मामले में आरोपियों का एक तरह से बचाव करते हुए कहा कि 'मंदिर हमारा है, चंदा हमारा है और अगर हमारे ही लोगों अर्थात हिंदुओं ने पैसा ले भी लिया है, तो विपक्ष या दूसरों को इससे क्या परेशानी है?

दूसरों को क्यों मिर्ची लग रही है? इस ने तर्क दिया कि राम मंदिर में चंदा या दान देने वाले लोग भी भगवान राम में अटूट विश्वास रखते हैं और जिन लोगों ने यह पैसा निकाला है, वे भी भगवान राम के ही भक्त हैं।

उसने कहा कि भगवान राम के आशीर्वाद से ही दान का कुछ पैसा उन आरोपियों के घरों तक पहुँचा है, इसलिए इस पर किसी को भी सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है, 'हिंदुओं का पैसा तो हिंदुओं के पास ही रहा'?

उस ने उल्टे विरोधियों से ही सवाल पूछा कि 'तुमने राम मंदिर में कितना चंदा दिया है?' उसके अनुसार 'जिन्होंने मंदिर में एक रुपया भी दान नहीं दिया, उन्हें इस मुद्दे पर बोलने या सवाल उठाने का कोई हक नहीं है।' चंदा लूट व चोरी को जायज ठहराने वाली और भी कई बातें इस नफरती शख़्स ने कीं।

इसी तरह अयोध्या के ही तपस्वी छावनी के पीठाधीश जगतगुरु परमहंस आचार्य ने इस मामले में आरोपियों की सजा को लेकर एक जातिगत और पक्षपातपूर्ण व विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी टिन्नू यादव को तो फांसी की सजा होनी चाहिए।

जबकि मामले में शामिल अन्य कथित उच्च जाति के अन्य आरोपियों अनुकल्प मिश्रा, अविनाश शुक्ला, लवकुश मिश्रा व करुणेश पांडे का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि 'बाकी सबको छह-छह महीने की सजा देकर छोड़ देना चाहिए'। उनके इस जातिगत दुर्भावना पूर्ण बयान की भारी आलोचना हुई कि वे आस्था की इस बड़ी लूट में शामिल विशेष जाति के आरोपियों को केवल छह महीने की मामूली सजा देकर रफा दफा करना चाहते हैं।

इसी तरह सोशल मीडिया पर भी भारतीय जनता पार्टी और दक्षिणपंथी विचारधारा से जुड़े कुछ कट्टरपंथियों और समर्थकों द्वारा इस विमर्श को बढ़ावा दिया जा रहा है कि 'हम (हिन्दू) आपस में निपट लेंगे'। विपक्ष के अनुसार 'भाजपा के गुर्गे' मैदान में उतर आए हैं, जो कह रहे हैं कि 'यह भाजपा, आरएसएस और राम भक्तों का निजी मामला है, उन्होंने ही चंदा दिया है, उन्होंने ही लिया है और वे आपस में निपट लेंगे'।

इसमें किसी तीसरे या गैर-हिंदू को बोलने की जरूरत नहीं है। ऐसे लोगों का तर्क है कि चंदा चोरी पर सबसे ज्यादा विपक्ष और गैर-हिंदू नेता छाती पीट रहे हैं। कुछ लोग तो यह कुतर्क भी दे रहे हैं कि यदि एक हिंदू भाई के पैसे का सुख दूसरा हिंदू भाई ले रहा है, तो इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

इस नैरेटिव की चौतरफा आलोचना हो रही है और मंदिर चंदा लूट को 'आपसी मामला' बताने वाले इन बयानों की केवल विपक्ष ही नहीं बल्कि समाज के हर वर्ग द्वारा तीखी निंदा की जा रही है।

आलोचकों और आम श्रद्धालुओं का कहना है कि भगवान के घर में चोरी 'महापाप' है। चोर का कोई धर्म या जाति नहीं होती। परन्तु राम मंदिर दान लूट के विषय में उपरोक्त दलीलें सुनकर तो यही लगता है गोया इस शर्मनाक घटना में भी कुतर्कों की इंतेहा कर दी गयी है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

मुख्य अतिथि और अधिकारियों के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली में शामिल बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए रैली का शुभारंभ

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद में बेसिक शिक्षा परिषद अंतर्गत स्कूल चलो अभियान एवं प्रवेश उत्सव के द्वितीय चरण के कार्यक्रम का आयोजन महेंद्र सिंह डिग्री कॉलेज गढ़मुक्तेश्वर में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर हुण, विशिष्ट अतिथि विधायक गढ़मुक्तेश्वर हरेंद्र तेवतिया जिला मंत्री भाजपा महिला मोर्चा पिंकी त्यागी व क्षेत्र के जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।अतिथि गणों द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी के द्वारा कार्यक्रम के आयोजन उद्देश्य एवं लक्ष्यों से अवगत कराया गया कि 6 से 14 आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे का नामांकन विद्यालय में कर जनपद में शत प्रतिशत नामांकन के लक्ष्य को पूरा करना है ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित में रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा साक्षरता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जनप्रतिनिधि एवं समाज की भागीदारी की आवश्यकता को बताया गया। विधायक हरेंद्र तेवतिया के द्वारा कहा गया कि प्रत्येक बच्चे में अलग प्रतिभा होती है और शिक्षक उसको निखारने का काम करते हैं इसलिए समाज के निर्माण में शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान है। विद्यालय में सर्वाधिक नामांकन कराने के लिए प्रत्येक ब्लॉक से दो प्रधान अध्यापक को सर्टिफिकेट प्रदान कर अतिथि गणों के द्वारा सम्मानित किया गया। गढ़मुक्तेश्वर से प्राथमिक विद्यालय बहादुरगढ़ के प्रधानाध्यापक विशाल कुमार व प्राथमिक विद्यालय शाहपुर चौधरी के प्रधानाध्यापक लताफत अली। सिंभावली ब्लॉक से प्रधानाध्यापक मोहम्मद जफर व गुलशन रिफत धौलाना ब्लॉक से मोहम्मद तारिक आदि को नामांकन वृद्धि में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। अतिथि गणों एवं अधिकारियों के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली में शामिल बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए रैली का शुभारंभ कराया गया। जनप्रतिनिधियों का सहयोग, समाज की सहभागिता प्राप्त कर शिक्षा के प्रति जन जागरण के माध्यम से सत प्रतिशत नामांकन के लक्ष्य को पूरा करना ही कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। खंड शिक्षा अधिकारी गढ़मुक्तेश्वर द्वारा सभी अतिथि गणों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी देशराज वत्स, मनोज कुमार, योगेश गुप्ता व पंकज चतुर्वेदी द्वारा महत्वपूर्ण भूमिकाओं का निर्वाह किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के निर्देशन में एसआरजी भरत शर्मा जिला व्यायाम शिक्षक मनप्रीत खैरा व ब्लॉक व्यायाम शिक्षिका सरिता चौधरी, एआरपी आकिब बिलाल, अभिमन्यु, कुलदीप कुमार द्वारा कार्यक्रम का सफल आयोजन कराया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक मंत्री योगेंद्र कुमार, नीलम शर्मा, सरस्वती, बिना सिंह, सोनीका, नीलम त्यागी, मानसी अरोड़ा, बृजेश, ललित, नरेंद्र, अमित व अन्य शिक्षक गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन संजय शर्मा व अंजू आजाद के द्वारा किया गया।

एस एस वी इंटर कॉलेज में मनाया गया विश्व युवा कौशल दिवस,कैडेट्स को बताए आधुनिक करियर के गुरु

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के नगर में एस एस वी इंटर कॉलेज में बुधवार को 38 यू.पी. बटालियन हापुड़ के निर्देशन में विश्व युवा कौशल दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कैडेट्स को आधुनिक करियर के लिए आवश्यक कौशलों में बदलाव विषय पर जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि आज का युग डिजिटल युग है।

पहले नौकरी के लिए सिर्फ डिग्री और विषय का ज्ञान जरूरी माना जाता था, लेकिन अब डिग्री के साथ सही कौशल भी उतने ही जरूरी हैं।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विश्लेषण, ऑनलाइन कार्य प्रणाली और डिजिटल प्लेटफॉर्म लगभग हर क्षेत्र का हिस्सा बन चुके हैं। इसलिए युवाओं को तकनीक के साथ कदम मिलाकर चलना होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर भी चर्चा हुई। लेफ्टिनेंट डॉ. कपिल बिसला ने बताया गया कि एनईपी विद्यार्थियों को केवल पास करने तक सीमित न रखकर कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देती है, ताकि वे रोजगार पाने वाले ही नहीं बल्कि रोजगार देने वाले भी बन सकें। कार्यक्रम के समापन पर लेफ्टिनेंट कर्नल विजयंत शारदा ने कहा कि यदि भविष्य में सफल होना है तो सीखना कभी नहीं छोड़ना होगा। आइए इस दिवस पर संकल्प लें कि हम हर दिन कुछ नया सीखेंगे और एक सशक्त, आत्मनिर्भर व विकसित भारत के निर्माण में योगदान देंगे। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट डॉ. कपिल बिसला, लेफ्टिनेंट योगेश कुमार, सूबेदार मेजर संजय धामा, सुजीत, अवलोक, कमलजीत, प्रदीप, प्रमोद आदि उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लिए 17 अगस्त तक होंगे आवेदन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। जिले में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत वर्ष 2026-27 के लिए पारंपरिक कारीगरों से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। योजना के अंतर्गत बढ़ई, नाई, दर्जी, कुम्हार, लोहार, टोकरी बुनकर, मोची, धोबी, राजमिस्त्री एवं हलवाई ट्रेड के कारीगरों को 10 दिवसीय निःशुल्क कौशल वृद्धि प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रशिक्षण के बाद लाभार्थियों का मूल्यांकन कर आरपीएल प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा तथा आधुनिक टूलकिट भी उपलब्ध कराई जाएगी। उपायुक्त उद्योग अधिकारी शिवशंकर कुमार ने बताया कि शासन की ओर से सिद्धार्थनगर जनपद को 875 लाभार्थियों का लक्ष्य आवंटित किया गया है।

पात्र अभ्यर्थी 17 अगस्त 2026 तक विभागीय वेबसाइट diupmsme. upsdc. gov.in एवं upmsme.gov.in पर निःशुल्क ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक होना आवश्यक है तथा वह संबंधित पारंपरिक व्यवसाय में कार्यरत होना चाहिए।

चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण के उपरांत आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उनके रोजगार को मजबूती मिलने के साथ आय बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है नगर निगमः महापौर

वार्ड-23 में 20 लाख की लागत से शुरू हुआ सी.सी. सड़क व नाली निर्माण का कार्य

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। वार्ड 23 में शहीद गंज स्थित बांसों वाली गली एवं नखासा बाजार क्षेत्र में सी.सी. सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों का आज सुबह महापौर डॉ. अजय कुमार, नगर विधायक राजीव गुंबर, भाजपा महानगर अध्यक्ष शीतल विश्नोई एवं क्षेत्रीय पार्षद मुकेश गक्खड़ ने निर्माण स्थल पर गेंती चलाकर शुभारंभ किया। इस कार्य पर लगभग 20 लाख रुपये की लागत आयेगी।

इस अवसर पर महापौर डॉ. अजय कुमार ने कहा कि नगर निगम शहर के प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। नगर निगम का उद्देश्य शहर के प्रत्येक वार्ड में बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्यों को नई गति मिली है। नगर निगम जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक वार्ड में सड़क, नाली, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं स्वच्छता संबंधी कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा व जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी तथा क्षेत्र का समग्र विकास होगा।

महापौर व नगर विधायक के वार्ड 23 में पहुंचने पर क्षेत्र के लोगों ने उनका स्वागत करते हुए उन्हें फूलों से लाद दिया। क्षेत्रीय पार्षद मुकेश गक्खड़ ने क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वार्ड की प्रत्येक समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है, विकास कार्यों का यह सिलसिला भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा।

इस अवसर पर व्यापार मंडल महानगर अध्यक्ष राजकुमार मक्कड़, उपसभापति मयंक गर्ग, पार्षद ज्योति अग्रवाल, पार्षद प्रतिनिधि परविंद तोमर, राजीव गुप्ता, सेक्टर संयोजक सन्नी कालरा, अख्तर अली जैदी, शाने हैदर, फराज अहमद, सुधीर मिगलानी, मोहित पुरी, चिराग गुप्ता, गुलशेर, रियाज अली सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी, भाजपा कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशानंद गिरि ने 'वंदे माँ नर्मदे' पुस्तक का किया लोकार्पण

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के दिल्ली में आयोजित 'वंदे माँ नर्मदे' पुस्तक के लोकार्पण समारोह में निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशानंद गिरि जी महाराज और महामंडलेश्वर स्वामी हरिहरानंद सरस्वती जी महाराज ने किया। इस दौरान हापुड़ निवासी समाजसेवी आदेश त्यागी (असौड़ा वालें) भी मौजूद रहे।

आचार्य शुभेष शर्मन द्वारा रचित इस पुस्तक का विमोचन माँ नर्मदा की महिमा, भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा पर आधारित है। समारोह में संतों ने कहा कि यह कृति सांस्कृतिक चेतना को सशक्त करने और नई पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने का सराहनीय प्रयास है।स्वामी कैलाशानंद गिरि ने कहा कि नर्मदा केवल नदी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की जीवनधारा है। ऐसी पुस्तकें समाज को धर्म और संस्कारों से जोड़ती हैं।

इस दौरान हापुड़ निवासी समाजसेवी आदेश त्यागी (असौड़ा वालें) ने स्वामी कैलाशानंद गिरि से मुलाकात कर धर्म और संस्कृति पर चर्चा की।

हापुड़ जिले की जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुआ किसान दिवस का आयोजन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद की जिलाधिकारी कविता मीना व मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार हापुड़ में प्रातः 11.00 बजे से किसान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के विभिन्न क्षेत्रो के कृषको एवं कृषक प्रतिनिधियो द्वारा प्रतिभाग किया गया। किसान दिवस में श्री योगेन्द्र कुमार उप कृषि निदेशक हापुड़ द्वारा उपस्थित सभी सम्बन्धित जनपद स्तरीय अधिकारियो एवं कृषक बन्धुओ का स्वागत किया गया। सर्वप्रथम उद्यान विभाग ने प्रगतिशील कृषक श्री ज्ञानेन्द्र सिंह पुत्र श्री भोपाल सिंह ग्राम जरौठी वि०ख० हापुड़ के द्वारा ड्रिप के माध्यम से की गयी बुवाई के बारे में अवगत कराया गया। साथ ही जिला कृषि अधिकारी, हापुड़ द्वारा जनपद में उर्वरक उपलब्धता के बारे में किसानों को अवगत कराया गया। इसके उपरान्त गतमाह जून, 2026 के किसान दिवस में प्राप्त शिकायतो से सम्बन्धित निस्तारण आख्या उपस्थित सभी कृषको के समक्ष पढ़कर सुनाई गयी तथा निस्तारण सम्बन्धी विस्तृत विवरण से सम्बन्धित अधिकारी द्वारा कृषको को अवगत कराया गया। आज किसान दिवस में विभिन्न कृषको द्वारा समस्या लिखित रूप से अवगत करायी गयी, जिसमें गन्ना भुगतान, विद्युत, वन विभाग एवं सिचाई विभाग से सम्बन्धित मुख्य समस्याए रही। जिलाधिकारी महोदया हापुड़ द्वारा किसान दिवस में समस्त सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारियों / प्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से अपने विभाग से संबंधित समस्याओं का निस्तारण एक सप्ताह में करके प्रत्येक दशा में निस्तारण की कार्यवाही की प्रति किसान दिवस के नोडल अधिकारी उप कृषि निदेशक, हापुड़ कार्यालय निकट कोतवाली में उपलब्ध कराते हुये एक प्रति शिकायतकर्ता को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

मिशन शक्ति टीम की पहल से सुलझा पति-पत्नी का विवाद

वेलकम इंडिया ब्यूरो

जोगिया/सिद्धार्थनगर। थाना जोगिया उदयपुर की मिशन शक्ति टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पति-पत्नी के पारिवारिक विवाद का आपसी सहमति से समाधान करा दिया। काउंसलिंग के बाद दोनों साथ रहने को राजी हो गए और उन्हें सकुशल घर भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, महादेवा नानकार निवासी जानकी ने अपने पति के साथ हुए विवाद की शिकायत थाना जोगिया उदयपुर में की थी। थानाध्यक्ष अभय सिंह के निर्देशन में मिशन शक्ति टीम ने दोनों पक्षों की काउंसलिंग की। इस दौरान उन्हें आपसी रिश्तों की अहमियत, बच्चे के प्रति जिम्मेदारियों और पारिवारिक कर्तव्यों के बारे में समझाया गया। समझाइश के बाद पति-पत्नी ने आपसी मतभेद भुलाकर साथ रहने की सहमति जताई। पुलिस के मुताबिक, अब दोनों के बीच कोई विवाद नहीं है और उन्हें खुशी-खुशी एक साथ घर भेज दिया गया। मिशन शक्ति टीम की इस पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की। काउंसलिंग में महिला कांस्टेबल पूजा यादव और सुशीला कुशवाहा शामिल रहीं।

चोरी और मोबाइल छिनैती का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

दो चोरी की बाइक, छिनैती का मोबाइल और अवैध चाकू बरामद

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। थाना सिद्धार्थनगर पुलिस और जनपदीय एसओजी की संयुक्त टीम ने चोरी और मोबाइल छिनैती की तीन घटनाओं का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से दो चोरी की मोटरसाइकिलें, छिनैती का एक मोबाइल फोन तथा एक अवैध चाकू बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, प्रभारी निरीक्षक मिथिलेश कुमार राय एवं एसओजी प्रभारी चंद्रकांत पाण्डेय के नेतृत्व में मंगलवार देर रात विवेकानंद तिराहे पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान एक युवक को रोककर तलाशी ली गई, जिसके पास से अवैध चाकू मिला। पूछताछ में उसने चोरी और मोबाइल छिनैती की घटनाओं में शामिल होने की बात स्वीकार की। उसकी निशानदेही पर दो चोरी की मोटरसाइकिलें और एक ओप्पो मोबाइल फोन बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद समीर सिद्दीकी (22) निवासी सिसहनिया, थाना सिद्धार्थनगर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार बरामद बाइक और मोबाइल थाना सिद्धार्थनगर में दर्ज तीन अलग-अलग मुकदमों से संबंधित हैं। आरोपी के खिलाफ आयुध अधिनियम के तहत भी मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी चोरी की बाइक और मोबाइल कम कीमत पर बेचकर खर्च चलाता था। उसके अन्य साथियों और आपराधिक गतिविधियों के संबंध में जांच जारी है।

वैश्य समाज महिला संगठन ने नन्द गोपाल गुप्ता का जन्मोत्सव मनाया

वेलकम इंडिया ब्यूरो

नूरपुर। वैश्य समाज महिला संगठन उत्तर प्रदेश की बिजनौर जिला अध्यक्ष शशि अग्रवाल पत्नी डॉक्टर पवन अग्रवाल के निवास स्थान (शशि कुंज) यर उत्तर प्रदेश सरकार मैं मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। जिसमें वैश्य समाज की महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। वैश्य समाज की महिलाओं ने भगवान से नंद गोपाल गुप्ता की दीघार्यु की कामना की।

इस मौके पर वैश्य समाज महिला संगठन उत्तर प्रदेश जिला बिजनौर की जिला अध्यक्ष शशि अग्रवाल जिला संगठन मंत्री सुरुचि, जिला संगठन मंत्री शिखा गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष सपना गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष श्वेता बंसल, जिला मंत्री संगीता अग्रवाल, पूनम जैन, विजेता अग्रवाल, परी गुप्ता आदि मौजूद रही।

ताइक्वांडो एक्सपर्ट की टीम ने छात्राओं को सिखाए आत्मरक्षा के गुर

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर। नगर के बीआईसीटी कैंपस में छात्राओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूकता के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें चेन स्नेचिंग, बैग छीनने आदि घटनाओं से बचाव के गुरू सिखाए गए। बुधवार को नगर के बीआईसीटी कैंपस में हुए कार्यक्रम में ताइक्वांडो प्रशिक्षक अमन द्विवेदी ने उन्हें शारीरिक और मानसिक आत्मरक्षा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि देर रात को घर से निकलने से बचें। विशेष परिस्थिति में अगर जाना भी पड़े तो अपने साथ दैनिक उपयोग में आने वाले हेयर पिन, पेन, कंघी, पर्स जैसे सामान जरूर रखें। जरूरत पड़ने पर वह इसे अपनी सुरक्षा के प्रमुख हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं। सहायक प्रशिक्षक अभिनाश ने कहा कि किसी भी प्रहार या बचाव के वक्त तेज आवाज निकालें। इससे कॉफिडेंस बढ़ता है और वार भी तेज होता है। तेज आवाज सुनकर लोगों की भी मदद मिल सकती है। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को पंच, किक, डिफेंस , ब्लॉक, नेक चॉप, कोहनी अटैक के बारे में जानकारी दी। बीआईसीटी निर्देशक आकाश मिश्रा ने कहा कि आत्मरक्षा का यह प्रशिक्षण छात्राओं के जीवन में बेहद उपयोगी है। वह इससे अपने परिवार और आसपास के अन्य लोगों को भी जोड़ें। तभी इसका व्यापक लाभ मिल पाएगा। कार्यक्रम में निर्देशक आकाश मिश्रा, एसके पांडेय, आनंद त्रिपाठी, शिवा पांडेय , ऋषभ श्रीवास्तव, मोहम्मद इस्लाम, दुर्गेश, वीरेंद्र, अनामिका मोदनवाल, गरिमा , वंशिका आदि मौजूद रहे।

डीएम ने देवलहा ग्रांट सहकारी समिति का किया निरीक्षण, रजिस्टरों की जांच

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने बुधवार को विकास खंड उसका बाजार स्थित बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिमिटेड, देवलहा ग्रांट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने समिति के स्टॉक रजिस्टर और खाद वितरण रजिस्टर का अवलोकन कर अभिलेखों की जांच की।

जिलाधिकारी ने रजिस्टर में दर्ज किसानों से दूरभाष पर बातचीत कर खाद वितरण की स्थिति की जानकारी भी ली। उन्होंने समिति के अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों को निर्धारित सरकारी दर पर ही खाद उपलब्ध कराई जाए। साथ ही खाद प्राप्त करने वाले किसानों का आधार नंबर और मोबाइल नंबर वितरण रजिस्टर में अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए, ताकि वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बनी रहे और अभिलेखों का सत्यापन आसानी से किया जा सके।

चमोली को मुख्यमंत्री धामी की 155.36 करोड़ की 63 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गोपेश्वर स्थित पुलिस मैदान में आयोजित सेवा, सुशासन एवं समर्पण सेवा पखवाड़े के अंतर्गत जनपद चमोली के विकास को नई गति देते हुए विभिन्न विभागों की कुल 155.36 करोड़ की 63 विकास योजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने 113.99 करोड़ की 36 विकास योजनाओं का शिलान्यास तथा 41.37 करोड़ की 27 विकास योजनाओं का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य विकास योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना है। सड़क, पुल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, बाढ़ सुरक्षा, पशुपालन, पर्यटन और आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चमोली जनपद धार्मिक, सांस्कृतिक और सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार जनपद के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने जिन योजनाओं का शिलान्यास किया उनमें 4.34 करोड़ से जोशीमठ-नीति मार्ग के जुग्जू में स्टील ट्रस पुल, 9.62 करोड़ से लंगसी-द्वींग-तपोवन-लांज - पोखनी मोटर मार्ग पर 78 मीटर लोह सेतु, 85.24 लाख से मैहलचौरी-सिलंगना घनियाली मोटर मार्ग का पुनर्निर्माण, 2.20 करोड़ से चांदनीखाल-रड़वा-काण्डई-रेंसू मोटर मार्ग विस्तार, 2.57 करोड़ से विशालखाल-देवीखेत-बांमेश्वर मोटर मार्ग, 2.51 करोड़ से नन्दानगर की 13 पर्वतीय नहरों का पुनरोद्धार कार्य शामिल है। मुख्यमंत्री ने 3.40 करोड़, 4.08 करोड़, 4.59 करोड़, 2.16 करोड़, 1.83 करोड़,

3.52 करोड़ एवं 6.83 करोड़ की अलग अलग बाढ़ सुरक्षा योजनाओं का शिलान्यास भी किया। 2.60 करोड़ से डायट गौचर अनुरक्षण, 4.36 करोड़ से मॉडल राजकीय पशु चिकित्सालय नन्दप्रयाग, 98.45 लाख से पशु चिकित्सालय तलवाड़ी, 3.03 करोड़ से सेम-तोप में सामुदायिक भवन एवं पार्किंग का भी शिलान्यास किया गया। 2.88 करोड़ से राइंका उज्ज्वलपुर भवन, 3.20 करोड़ से नन्दानगर पार्किंग, 4.05 करोड़ से गोगनापानी-भड़ूड़ा मोटर मार्ग, 4.71 करोड़ से गोपेश्वर-पोखरी-बछेर मोटर मार्ग, 3.32 करोड़ एवं 2.33 करोड़ से स्टील गर्डर सेतु, 6.99 करोड़ से नौटी-चौण्डली-ल्यूथा मार्ग, 7.42 करोड़ से हरनीचक-मुन्दोली मार्ग, 9.36 करोड़ से थराली-घाट (डुंग्री) मार्ग, 3.50 करोड़ से लौहाजंग-वॉक मार्ग तथा 1.95 करोड़ एवं 2.00 करोड़ से तेलाण मार्ग पर स्टील गर्डर सेतु सहित शिक्षा, सिंचाई, पशुपालन एवं सड़क अवसंरचना से जुड़ी अन्य योजनाएं भी शिलान्यास में शामिल थीं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने जिन योजनाओं का लोकार्पण किया उनमें 1.42 करोड़ से गैरसैंण मुख्य मार्ग पर इंटरलॉकिंग टाइल्स, 2.71 करोड़ से सेमी-मासों मोटर मार्ग, 2.34 करोड़ से हापला-गुड़म-नैल-नौली मोटर मार्ग, 1.15 करोड़ से नंदासैंण-मालई मोटर मार्ग का डामरीकरण, 50-50 लाख से बीपीएचयू पोखरी एवं जिला चिकित्सालय चमोली में डीआईपीएचएल भवन, विभिन्न विद्यालयों में 21.84 लाख से 26.77 लाख की लागत से पुस्तकालय, आर्ट एंड क्राफ्ट कक्ष एवं विज्ञान प्रयोगशालाएं, 3.50 करोड़ से बैरागना ट्राउट इंडोर हैचरी, 2.45 करोड़ से खेल स्टेडियम गोपेश्वर में दो कोर्ट का बैडमिंटन हॉल, 40.50 लाख से कल्पेश्वर पाथवे एवं आर्क ब्रिज, 30 लाख से पाण्डुकेश्वर बहुउद्देशीय सहकारी समिति भवन, 5.63 करोड़ से तेफना-कण्डारा मोटर मार्ग अपग्रेडेशन, 9.32 करोड़ से कुलसारी-गैरवारम मोटर मार्ग अपग्रेडेशन तथा 7.75 करोड़ से लोल्टी-मालबज्वाड़-पास्तोली मोटर मार्ग शामिल है। इस मौके पर चमोली के प्रभारी मंत्री भरत सिंह चौधरी, थराली विधायक भूपाल राम टम्टा, कर्णप्रयाग विधायक अनिल नौटियाल, बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला, जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट, नगर पालिका परिषद चमोली गोपेश्वर अध्यक्ष संदीप रावत, नगर पालिका परिषद कर्णप्रयाग अध्यक्ष गणेश शाह, महिला आयोग उपाध्यक्ष श्रीमती चंद्रकला तिवारी, राज्य मंत्री हरक सिंह, रामचंद्र गौड़, बलवीर घुनियाल, बीकेटीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष प्रेम सिंह राणा, भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल बर्त्वाल, महामंत्री अरुण मैठाणी, विनोद कनवासी, दलवीर दानू, जिलाधिकारी गौरव कुमार, पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ अभिषेक त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सीएस ने लैंसडाउन को हवाई कनेक्टिविटी से जोड़े जाने की सम्भावनाएं तलाशने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने आज सचिवालय में नागरिक उड्डयन विभाग की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से प्रदेश में हवाई कनेक्टिविटी की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि हमें प्रदेश को हेलिपोर्ट्स एवं हेलीपैड से सैचुरेट करने की आवश्यकता है। ये हमारे जैसे प्रदेश के लिए लाइफलाइन साबित होंगे।

मुख्य सचिव ने पौड़ी जनपद को भी नियमित हवाई सेवा से जोड़े जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लैंसडाउन उत्तराखण्ड के मुख्य हिल स्टेशनों में से एक है। लैंसडाउन को हवाई कनेक्टिविटी से जोड़े जाने की सम्भावनाएं तलाशी जाएं। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में अपना पायलट ट्रेनिंग स्कूल तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि ऊधमसिंह नगर के पराग फार्म में एविएशन एकेडमी स्थापित की जाए। उन्होंने इसके लिए अधिकारियों को आवश्यक प्रक्रियाएं शुरू किए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि बदरीनाथ एवं केदारनाथ धाम के लिए एयर ट्रैफिक कंट्रोल शीघ्र स्थापित किए जाने के लिए आवश्यक सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार हवाई सेवाओं का विस्तार हो रहा है, इसके लिए आवश्यक है कि प्रदेशभर में एयर ट्रैफिक कंट्रोल मैकेनिज्म स्थापित किया जाए, ताकि हवाई यात्राएं सुरक्षित हो सकें। मुख्य सचिव ने प्रदेशभर में हवाई यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन (एडब्ल्यूएस) एवं पीटीजेड कैमरा स्थापित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग से अनुरोध कर इस दिशा में लगातार फॉलो अप किया जाए। मुख्य सचिव ने दूर-दराज और कम सेवा वाले इलाकों में मजबूत हवाई कनेक्टिविटी का विस्तार करने के भी निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने प्रदेशभर में हेलीपोर्ट्स एवं हेलीपैड्स से सैचुरेट किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने गुंजी और आदि कैलाश में बढ़ती पर्यटन गतिविधियों को देखते हुए एयर स्ट्रिप या हेलीपोर्ट स्थापित किए जाने की दिशा में कार्य किए जाने की बात भी कही। इस अवसर पर सचिव विनय शंकर पाण्डेय एवं सीईओ युकाडा प्रतीक जैन आदि उपस्थित थे।

मिशन सेफ फ्यूचर अभियान के तहत स्कूल वाहनों की जांच

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर में मिशन सेफ फ्यूचर अभियान के अंतर्गत आज सेंट जेवियर स्कूल में 12 स्कूली वाहनों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान वाहन चालकों एवं परिचालकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने तथा सुरक्षित परिवहन के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान अन्य स्कूली वाहनों का भी प्रवर्तन कार्रवाई के तहत निरीक्षण किया गया। वहीं, एक मालवाहक वाहन को ओवरलोडिंग के आरोप में सीज (बंद) किया गया। इसके अलावा विभिन्न यातायात नियमों के उल्लंघन

के मामलों में 12 वाहनों का चालान भी किया गया। एआरटीओ प्रशासन ने बताया कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने और स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही के उद्देश्य से यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

पिथौरागढ़ जनपद के तोली में आयोजित विशाल जनसुनवाई शिविर में जन समस्याओं की हुई सुनवाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री श्रीमती रेखा आर्य ने पिथौरागढ़ जनपद के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तोली में सेवा, सुशासन, समर्पण 'सेवा पखवाड़ा' पर आयोजित 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान के तहत विशाल जनसुनवाई शिविर में प्रतिभाग किया।

साथ ही एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण करके सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। शिविर में 400 से अधिक ग्रामीणों ने हिस्सा लिया, जहाँ हमने सजग प्रशासन के साथ मिलकर मौके पर ही 150 से अधिक शिकायतों का तत्काल निस्तारण कर लोगों को राहत दी।

इसके साथ ही समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, सहायक छड़ियां और विभिन्न

कल्याणकारी योजनाओं के तहत सहायता राशि के चेक भी वितरित किए गए।

जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने सड़क, नाली, पेंशन, पेयजल, फसलों की सुरक्षा हेतु तारबाड़ और खेल मैदान जैसी बुनियादी मांगें प्रमुखता से उठाईं।

उन्होंने इन सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही तलब कर समस्याओं के त्वरित व समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए और स्पष्ट चेतावनी दी कि लापरवाही पाए जाने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी आशीष भटगाईं, मुख्य विकास अधिकारी दीपक सैनी, प्रभागीय वनाधिकारी आशुतोष सिंह, उपजिलाधिकारी आशीष जोशी, जिला विकास अधिकारी श्रीमती रमा गोस्वामी, जिला उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक श्रीमती कविता भगत, जिला क्रीड़ा अधिकारी अनूप बिष्ट, परियोजना निदेशक आशीष पुनेठा, जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निर्मल एस. बसेड़ा, जिला उद्यान अधिकारी डॉ. आर .एस. चाहल, पीएमजीएसवाई के अधिशासी अभियंता किशन सिंह ऐरी, जिला युवा कल्याण अधिकारी शंकर बोरा तथा जिला परिवहन अधिकारी विनय कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राज्य सरकार की गेम चेंजर योजना के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को निःशुल्क नोटबुक वितरित की गयी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। श्रीनगर स्थित पी.एम. श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में उत्तराखण्ड सरकार की गेम चेंजर योजना के अंतर्गत आयोजित कक्षा 1 से 12 तक के समस्त छात्र-छात्राओं को निःशुल्क नोटबुक वितरण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें शिक्षा एवं सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रतिभाग किया।

डॉ. रावत ने छात्र-छात्राओं को निःशुल्क नोटबुक वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं विद्यार्थियों को आवश्यक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है।

कार्यक्रम के उपरांत विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित उत्तराखण्ड के निर्माण का संदेश दिया। उन्होंने अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर प्रकृति के संरक्षण और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अपना योगदान देने का आह्वान किया।

ड्यूटी का दूसरा दिन बना आखिरी सफर: सुपीरियर शराब फैक्ट्री में कर्मचारी की संदिग्ध मौत, परिजनों का हंगामा

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरेली। सीबीगंज क्षेत्र स्थित सुपीरियर शराब फैक्ट्री में बुधवार को एक कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद फैक्ट्री गेट पर परिजनों और ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा मामले की जांच जारी है।

पुलिस के अनुसार, बिसारतगंज थाना क्षेत्र के धीरपुर गांव निवासी सत्यपाल पुत्र रामलाल ने एक दिन पहले ही फैक्ट्री में नौकरी शुरू की थी। बुधवार को उनकी ड्यूटी का दूसरा दिन था। वह फैक्ट्री के बॉयलर सेक्शन में कार्यरत थे। शाम के समय उनकी मौत की सूचना परिवार को मिली, जिसके बाद परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में फैक्ट्री पहुंच गए।

परिजनों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए

निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कुछ समय के लिए फैक्ट्री गेट पर तनाव की स्थिति बनी रही। इसके बाद सीओ द्वितीय नितिन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर स्थिति सामान्य कराई।

सीबीगंज थाना पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। साथ ही फैक्ट्री कर्मचारियों से पूछताछ और घटनास्थल से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है।

फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री धामी का गोपेश्वर, चमोली आगमन पर हुआ भव्य स्वागत, रोड़शो में उमड़ा जनलैलाब

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी का गोपेश्वर, चमोली में जनता ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर आयोजित रोड शो में हजारों लोगों का जनसैलाब उमड़ा। मुख्यमंत्री ने जनता द्वारा किए गए आत्मीय स्वागत और आशीर्वाद के लिए हृदय से सभी का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता का यही विश्वास और स्नेह हमें विकास, सुशासन और जनसेवा के संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

पीएम सूर्य घर योजना में कथित फजीर्वाड़ा: जांच में 9 में से 8 आवेदन संदिग्ध, वेंडर के खिलाफ एफआईआर दर्ज

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरेली। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से जुड़े कथित फजीर्वाड़े के मामले में यूपीनेडा की जांच के बाद कैंट थाने में एक वेंडर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। विभाग का आरोप है कि जांच के दौरान सत्यापन किए गए नौ आवेदनों में से आठ संदिग्ध पाए गए, जबकि केवल एक स्थान पर ही रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित मिला। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यूपीनेडा के वरिष्ठ लिपिक रघुवर दयाल की ओर से दी गई तहरीर के अनुसार, सचिव एवं मुख्य परियोजना अधिकारी के निर्देश पर सनराइज एंटरप्राइजेज की जांच कराई गई। जांच के दौरान फर्म के प्रोपराइटर आशु गुप्ता की भूमिका संदिग्ध पाए जाने के बाद विस्तृत

सत्यापन कराया गया। विभाग का दावा है कि जांच में कई आवेदनों में दस्तावेजों और लाभार्थियों से जुड़ी गंभीर अनियमितताओं के संकेत मिले।

तहरीर के मुताबिक, कुछ मामलों में ऐसे लोगों के नाम पर सब्सिडी जारी होने का आरोप है जिन्होंने योजना के लिए आवेदन नहीं किया था। वहीं कुछ मामलों में मृत व्यक्तियों के नाम भी लाभार्थी सूची में दर्ज पाए जाने का दावा किया गया है। विभाग का आरोप है कि कूटरचित दस्तावेज, फर्जी मोबाइल नंबर और बैंकिंग विवरणों में हेरफेर कर सरकारी सब्सिडी का भुगतान कराया गया। यूपीनेडा ने अपनी शिकायत में कुछ बैंक कर्मचारियों की संभावित भूमिका की भी जांच की मांग की है। पुलिस का कहना है कि एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है। जांच के दौरान यदि किसी अन्य व्यक्ति या बैंक अधिकारी की संलिप्तता के साक्ष्य मिलते हैं तो उनके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

किसानों की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त-मुख्य विकास अधिकारी

वेलकम इंडिया ब्यूरो

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी के निर्देश पर विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी डा. राममोहन मीना की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान दिवस में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों एवं किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य, विद्युत तथा अन्य विभागों से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक का शुभारंभ उप कृषि निदेशक अश्विनी कुमार सिंह ने उपस्थित किसानों, किसान संगठनों के प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों का स्वागत करते हुए किसान दिवस के उद्देश्य की जानकारी दी। इसके बाद मुख्य विकास अधिकारी ने किसानों से

खुलकर अपनी समस्याएं एवं सुझाव रखने का आग्रह किया। बैठक में ग्राम हैंसी (विकास खण्ड मान्धाता) के किसान सुधीर प्रताप सिंह ने विश्वनाथगंज पशु चिकित्सालय से पशुओं के लिए हरा चारा उपलब्ध न होने की समस्या रखी। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

इसी किसान ने अपने 10 बिस्वा तालाब के लिए मत्स्य बीज उपलब्ध कराने की मांग भी की, जिस पर कार्यकारी मत्स्य अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

ग्राम सरखेलपुर (विकास खण्ड बाबा बेलखरनाथ धाम) की नजीरूल निशा ने 10 केवी ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराकर विद्युत कनेक्शन दिलाने की मांग की। इस पर अधिशासी अभियंता विद्युत को मौके का सत्यापन कर शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। वहीं ग्राम पुर्बिया पट्टी (विकास खण्ड सदर) के किसान सरोज कुमार सिंह ने बताया कि उनका किसान पंजीकरण त्रुटिवश विकास खण्ड रामपुर संग्रामगढ़ में दर्ज हो गया है, जिसके कारण उन्हें समय पर बीज एवं अन्य कृषि सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस पर उप कृषि निदेशक ने उन्हें आवश्यक अभिलेखों के साथ कार्यालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने को कहा तथा समस्या के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी डा. राममोहन मीना ने कहा कि किसानों एवं आमजन की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक समयबद्ध ढंग से पहुंचाया जाए तथा प्रत्येक शिकायत का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

बैठक के दौरान उप कृषि निदेशक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने किसानों को विभागीय योजनाओं, कृषि निवेशों की उपलब्धता, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, उद्यान, सहकारिता, सिंचाई, मत्स्य, पशुपालन, दुग्ध विकास एवं अन्य कृषि हितैषी योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी।

बैठक में परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव, उप कृषि निदेशक अश्विनी कुमार सिंह, जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा, क्षेत्राधिकारी सदर, कार्यकारी मत्स्य अधिकारी, खाद्य विपणन अधिकारी, अग्रणी बैंक प्रबंधक (बैंक ऑफ बड़ौदा), सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता, अधिशासी अभियंता विद्युत, सिंचाई एवं लघु सिंचाई, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के जिला प्रबंधक, इफको के क्षेत्रीय प्रभारी, दुग्ध विकास विभाग के प्रतिनिधि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

चार दशक की साहित्य साधना को मिला वैश्विक सम्मान, प्रख्यात साहित्यकार डॉ. सविता चड्ढा को 'आइकॉन अवार्ड-2026'

रिफेसिमेंटो इंटरनेशनल के संस्थापक रवि भूषण ने उनके निवास पर जा कर किया सम्मानित, 1990 से लगातार 'हू इज हू' में दर्ज हो रहा है नाम

वेलकम इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। हिंदी साहित्य जगत की वरिष्ठ एवं बहुआयामी साहित्यकार डॉ.सविता चड्ढा को उनकी चार दशक से अधिक की निरंतर साहित्य साधना, रचनात्मक योगदान तथा वैश्विक साहित्यिक पहचान के लिए प्रतिष्ठित संस्था रिफेसिमेंटो इंटरनेशनल द्वारा 'आइकॉन अवार्ड-2026' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान संस्था के संस्थापक एवं बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के सदस्य रवि भूषण ने स्वयं उनके निवास पर पहुंचकर यह सम्मान प्रदान किया।

इस अवसर पर डॉ. सविता चड्ढा ने सम्मान के लिए संस्था एवं रवि भूषण का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए इसे अपने पाठकों, शुभचिंतकों और साहित्यकारों के स्नेह का प्रतिफल बताया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1990 में पहली बार रिफेसिमेंटो इंटरनेशनल की विश्वप्रसिद्ध 'हू इज हू' लेखकों की सूची में डॉ. सविता चड्ढा का नाम शामिल किया गया था। उस समय उनकी केवल छह पुस्तकें प्रकाशित हुई थीं। तब से लेकर आज तक निरंतर प्रत्येक वर्ष उनका नाम इस प्रतिष्ठित प्रकाशन में शामिल होता रहा है। वर्तमान में उनकी 55 से अधिक पुस्तकें कथा, उपन्यास, कविता, निबंध, पत्रकारिता, स्त्री-विमर्श एवं सामाजिक सरोकारों सहित विभिन्न विषयों पर प्रकाशित हो चुकी हैं। डॉ. सविता चड्ढा चार दशकों से अधिक समय से हिंदी साहित्य की सतत साधना में संलग्न हैं। उन्होंने अनेक पुस्तकों एवं साहित्यिक पत्रिकाओं का संपादन भी किया है। उनका नाम विश्व के 100 प्रमुख हिंदी साहित्यकारों की सूची में शामिल होना हिंदी साहित्य के लिए गौरव का विषय माना जाता है। उनकी साहित्यिक यात्रा

भारत तक सीमित नहीं रही। उन्होंने लंदन, अमेरिका (न्यू जर्सी एवं लॉस एंजिल्स), ताशकंद, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, नेपाल, फ्रांस (पेरिस), दुबई, सिंगापुर, हांगकांग, मॉरीशस, श्रीलंका, मिस्र, जापान, वियतनाम तथा पोर्ट ब्लेयर सहित अनेक देशों एवं स्थानों पर आयोजित साहित्यिक सम्मेलनों, व्याख्यानों, शोध-पत्र प्रस्तुतियों और सांस्कृतिक आयोजनों में सक्रिय सहभागिता निभाई है।

सम्मानों की दृष्टि से भी डॉ. चड्ढा का साहित्यिक जीवन अत्यंत समृद्ध रहा है। उन्हें हिंदी अकादमी, दिल्ली का साहित्यिक कृति सम्मान, मैसूर हिंदी प्रचार परिषद का हिंदी सेवा सम्मान, ऑथर्स गिल्ड ऑफ इंडिया का साहित्यिक सम्मान, महादेवी वर्मा सम्मान, कलम का सिपाही, साहित्यश्री, शिखर सम्मान, वुमन केसरी सहित देश की 70 से अधिक प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। वर्ष 2020 में हरियाणा साहित्य अकादमी ने उन्हें 'हरियाणा गौरव सम्मान' से अलंकृत किया। इसके अतिरिक्त उन्हें साहित्य सुधाकर, नारी गौरव, आदर्श महिला, राष्ट्र रत्न और दिल्ली गौरव जैसी अनेक विशिष्ट उपाधियाँ भी प्रदान की जा चुकी हैं। उनके साहित्यिक अवदान पर समय-समय पर अनेक विशेषांक प्रकाशित हुए हैं। उनकी 60 से अधिक कहानियाँ वर्ष 1982 से 2025 के बीच आकाशवाणी से हिंदी के साथ-साथ पंजाबी भाषा में भी प्रसारित हो चुकी हैं, जो उनकी रचनात्मक लोकप्रियता और व्यापक स्वीकार्यता का प्रमाण है। डॉ. सविता चड्ढा का साहित्य सामाजिक चेतना, मानवीय संवेदनाओं और विशेष रूप से महिला सशक्तिकरण का सशक्त दस्तावेज माना जाता है। उनका मानना है कि 'श्रेष्ठ लेखन गंगा स्नान के समान होता है, जो मन, विचार और समाज– तीनों को निर्मल बनाता है।'हिंदी साहित्य के प्रति उनके समर्पण, उत्कृष्ट रचनात्मक योगदान तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय साहित्य की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए प्राप्त 'आइकॉन अवार्ड-2026' को साहित्य जगत ने उनकी दीर्घकालीन साहित्य साधना का गौरवपूर्ण सम्मान बताया है। जून 2026 में प्राप्त यह सम्मान हिंदी साहित्य की उपलब्धियों में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में देखा जा रहा है।

श्रावण मास के दृष्टिगत बिड़हर घाट का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का लिया गया जायजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में उप जिलाधिकारी धनघटा रविकांत चौबे एवं क्षेत्राधिकारी धनघटा अभय नाथ मिश्रा ने आगामी श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत बिड़हर घाट का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान घाट पर सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा श्रद्धालुओं की सुविधा से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों द्वारा निर्देशित किया गया कि श्रावण मास के दौरान घाट पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, सतत निगरानी, भीड़ प्रबंधन तथा किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

जिलाधिकारी द्वारा जल संरक्षण हेतु किसान भाइयों से किया गया आह्वान

दिनांक 16 जुलाई से 22 जुलाई 2026 तक मनाया जाएगा भूजल सप्ताह

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समस्त कृषकों को अवगत कराया गया कि दिनांक 16 जुलाई से 22 जुलाई तक भूजल सप्ताह मनाया जाना है जिसका मुख्य विचार विंदु 'जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं है कोई विकल्प' है। भूजल सप्ताह का मुख्य उद्देश्य वर्षा जल को संरक्षित करना तथा जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने हेतु जन-जन को जागरूक करना है। कृषक इस अभियान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं, पेड़-पौधों एवं फसलों की सिंचाई में आवश्यकतानुसार ही पानी का प्रयोग करें, फसलों की सिंचाई क्यारी बनाकर करें, बागवानी की सिंचाई हेतु ड्रिप विधि व फसलों हेतु स्प्रिंकलर विधि अपनाएं। बगीचे में पानी सुबह ही दें ताकि वाष्पीकरण से होने वाला नुकसान कम किया जा सके। जल की कमी वाले क्षेत्रों में ऐसी फसलें बोए जिसमें कम पानी की आवश्यकता हो तथा खेतों की मेड़ों को मजबूत व ऊंचा करके खेत का पानी खेत में रिचार्ज होने दें।

आयोजित किसान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा जल संरक्षण हेतु कृषकों से आह्वान किया गया। इसी क्रम में जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित समस्त कृषकों एवं अधिकारीगणों को जल शपथ दिलाया गया तथा आह्वान किया गया कि हम सब मिलकर जल आंदोलन को जन आंदोलन बनायें

केबल तार से किशोर की पिटाई का आरोप, मां ने थाने में दी तहरीर

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के कस्बा एलम के मोहल्ला सुभाष नगर निवासी एक महिला ने पड़ोसी पर उसके पुत्र के साथ केबल तार से मारपीट करने तथा विरोध करने पर गाली-गलौज और धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।बुधवार को मोहल्ला सुभाष नगर निवासी रेशमा पत्नी राशिद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मामूली कहासुनी को लेकर पड़ोस के एक व्यक्ति ने उसके पुत्र के साथ केबल तार से मारपीट कर दी। शोर सुनकर जब वह अपने पुत्र को बचाने पहुंची तो आरोपी ने उसके साथ भी अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए वहां से भगा दिया।महिला का आरोप है कि आरोपी ने पुलिस में शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस पीड़ित महिला को कार्रवाई का आश्वासन देते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

कांवड़ मार्ग का DIG ने किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। आगामी श्रावण मास कांवड़ यात्रा-2026 को लेकर पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) सहारनपुर परिक्षेत्र और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अभिनंदन सिंह सहारनपुर ने पुलिस अधिकारियों के साथ कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड बॉर्डर पर स्थित गागलहेडी काली नदी चौकी, बड़कला, गागलहेड़ी, राकेश केमिकल, घंटाघर, नकुड़ तिराहा चौकी, सरसावा, सरसावा कट, राष्ट्रीय राजमार्ग और हरियाणा बॉर्डर स्थित शाहजहांपुर चौकी सहित विभिन्न स्थानों का दौरा किया। इस दौरान एसपी सिटी, एसपी देहात, एसपी ट्रैफिक, प्रभारी यातायात और क्षेत्राधिकारी सदर समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने कांवड़ मार्ग पर बैरिकेडिंग, यातायात डायवर्जन, प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों, संवेदनशील स्थलों की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, पार्किंग, पुलिस पिकेट और ड्यूटी प्वाइंट का निरीक्षण किया। इसके अलावा कंट्रोल रूम, अग्निशमन एवं स्वास्थ्य विभाग समेत अन्य विभागों की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। डीआईजी और एसएसपी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, यातायात बाधा या कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई जा सके।

प्लॉट का बैनामा न कराने का आरोप, प्रॉपर्टी डीलर पर कार्रवाई की मांग

कांधला(वेलकम इंडिया)। हरियाणा के पानीपत जिले के एक व्यक्ति ने क्षेत्र के एक प्रॉपर्टी डीलर पर लाखों रुपये लेने के बावजूद प्लॉट का बैनामा न कराने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।बुधवार को पानीपत जिले के गांव हाथवाला निवासी नसीम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसने कांधला के शिवाला मार्ग स्थित इलियास नगर क्षेत्र में 300 गज का एक प्लॉट गाजियाबाद निवासी एक प्रॉपर्टी डीलर के माध्यम से खरीदा था। आरोप है कि उसने प्लॉट की पूरी कीमत अदा कर दी, जिसके बाद डीलर ने बैनामे के लिए आवश्यक दस्तावेज भी तैयार करा लिए और उसे तहसील तक ले गया, लेकिन वहां पहुंचने के बाद बैनामा नहीं कराया।पीड़ित का आरोप है कि कई बार कहने के बावजूद आरोपी न तो प्लॉट का बैनामा करा रहा है और न ही उसकी रकम वापस कर रहा है। इससे उसे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। पीड़ित ने आरोपी प्रॉपर्टी डीलर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने जांच करने के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

दुकान में घुसकर फ्रिज-एसी मैकेनिक पर हमला, मारपीट के बाद नकदी लूटने का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे में डिग्री कॉलेज के समीप स्थित फ्रिज एवं एसी रिपेयरिंग की दुकान में घुसकर आधा दर्जन से अधिक युवकों द्वारा दुकानदार पर हमला करने का पीड़ित दुकानदार ने आरोप लगाया है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों से बेरहमी से मारपीट की, गला दबाने का प्रयास किया और दुकान के गल्ले से नकदी लेकर फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल दुकानदार को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी उम्मेद पुत्र सकीम ने पुलिस को दी तहरीर में

बताया कि उसकी डिग्री कॉलेज के पास फ्रिज एवं एसी रिपेयरिंग की दुकान है। आरोप है कि सवेरे वह दुकान पर मौजूद था इसी दौरान आधा दर्जन से अधिक युवक दुकान में घुस आए और गाली-गलौज करते हुए उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पीड़ित के अनुसार हमलावरों ने उसके सिर, नाक और शरीर के अन्य हिस्सों पर कई वार किए। इतना ही नहीं, आरोपियों ने रस्सी से उसका गला कसने का भी प्रयास किया, जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ा।पीडित दुकानदार ने आरोप है कि जब उसे होश आया तो दुकान का सामान बिखरा पड़ा था और गल्ले में रखे करीब 4,800 रुपये गायब थे। घटना के बाद आसपास के लोगों ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया, जहां उसे भर्ती कर उपचार किया जा रहा है।सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पीड़ित ने आधा दर्जन से अधिक युवकों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। थाना पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के अनुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

शराब के नशे में पति ने पत्नी को पीटा, घर से निकाला

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे के मोहल्ला रायजादगान निवासी एक महिला ने अपने पति पर शराब के नशे में मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बुधवार को थाने पहुंची पीड़िता रमेशों ने पुलिस को बताया कि उसका पति शराब पीने का आदी है और आए दिन उसके तथा बच्चों के साथ मारपीट करता है।

आरोप है कि बुधवार को भी पति ने शराब के नशे में उसके साथ जमकर मारपीट की और घर से बाहर निकाल दिया। पीड़िता ने आरोपी पति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है तथा आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है।

भाकियू ने की हाईवे की स्ट्रीट लाइट, सफाई और अतिक्रमण हटाने की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। भारतीय किसान यूनियन ने जिलाधिकारी शामली को प्रार्थना पत्र देकर कस्बे की विभिन्न जनसमस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की है। उन्होंने कहा कि समस्याओं के कारण आम लोगों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय किसान यूनियन के नगर अध्यक्ष रहीस पठान ने बताया कि करीब तीन माह पहले नेशनल हाईवे-709बी स्थित दिल्ली बस स्टैंड पर एक अज्ञात वाहन की टक्कर से स्ट्रीट लाइट क्षतिग्रस्त हो गई थी। उसी पोल पर पुलिस विभाग के सीसीटीवी कैमरे भी लगे हैं, लेकिन अब तक स्ट्रीट लाइट की मरम्मत नहीं कराई गई है। उन्होंने इसे सुरक्षा की दृष्टि से गंभीर बताते हुए तत्काल ठीक कराने की मांग की।

उन्होंने हाईवे पर बने नालों की सफाई न होने का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना है कि बारिश के दौरान नाले ओवरफ्लो होकर गंदा पानी सड़क पर भर जाता है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी होती है। साथ ही हाईवे की अधिकांश स्ट्रीट लाइटें खराब होने से रात के समय अंधेरा बना रहता है।आगामी सावन माह को देखते हुए बड़ी नहर से रेलवे फाटक तक कांवड़ मार्ग पर प्रकाश और सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग भी की गई है। इसके अलावा वार्ड-17 स्थित तालाब की भूमि पर कथित अवैध कब्जे और फर्जी बैनामों की जांच कराकर भूमि को कब्जामुक्त कराने की मांग की गई। कस्बे की बदहाल सफाई व्यवस्था, जगह-जगह लगे कूड़े के ढेर, अतिक्रमण, घरों के बाहर बने चबूतरों और रैंप हटाने की कार्रवाई कराने तथा नगर पालिका द्वारा बिजली के खंभों पर लगी स्ट्रीट लाइटों के दिन-रात जलते रहने की समस्या का समाधान कराने की भी मांग की है। इस दौरान कई लोग मौजूद रहे।

दिन निकलते ही युवक पर डंडों से हमला, वीडियो वायरल

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के रेलवे मार्ग स्थित बड़ी नहर पुल के समीप बुधवार सुबह एक युवक पर कुछ युवकों ने डंडों से हमला कर दिया। बीच सड़क युवक को दौड़ाकर पीटने की घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल सीसीटीवी फुटेज में कई युवक हाथों में डंडे लिए एक युवक का पीछा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद हमलावर उसे सड़क पर दौड़ाकर पीटते नजर आते हैं। दिनदहाड़े हुई इस घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के दुकानदार मौके पर एकत्र हो गए। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही हमलावर फरार हो चुके थे। घटना के पीछे की वजह का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस की ओर से मामले की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई थी और न ही किसी पक्ष की तहरीर मिलने की जानकारी दी गई थी। और दिनदहाड़े हुई मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद कस्बे में पुलिस गश्त को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार मारपीट और आपराधिक घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

पीडब्ल्यूडी की मौजूदा सड़क का ही हो चौड़ीकरण, प्रभावित काश्तकारों को मिले उचित मुआवजा: ग्रामीण

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बुधवार को दुधारा थाना क्षेत्र के लोहरौली ठकुराई के ग्रामीणों ने सरकारी नक़्शे में बना हुआ पीडब्ल्यूडी सड़क को ही चौड़ीकरण कराया जाय और काश्तकारों को जो क्षति हुई है मुआवजा दिये जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

थाना दुधारा क्षेत्र के लोहरौली ठकुराई के ग्रामीण ध्रुव चन्द्र, चन्द्रशेखर, हीरालाल, नीलम, सुमन, निर्मला, गंगोत्री, अनिल कुमार, कमरून्निसां, किन्दो देवी, प्रदीप कुमार, बृजेश कुमार, शिव सागर, श्री चंद, श्रीपत, सुभाष चंद ने सरकारी नक़्शे में बना हुआ पीडब्ल्यूडी सड़क को ही चौड़ीकरण कराया जाय और काश्तकारों को जो

क्षति हुई है मुआवजा दिये जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों ने कहा कि जबरिया पीडब्ल्यूडी सड़क को छोड़कर प्रस्तावित सड़क पर जबरिया चौड़ीकरण करके जमीन व मकान को कब्जा व गिराया जा रहा है। सरकारी नक़्शे में बना हुआ पीडब्ल्यूडी सड़क को ही चौड़ीकरण कराया जाय और हम काश्तकारों का जो क्षति हुआ है उसका मुआवजा दिया जाय। ग्रामीणों ने प्रशासन से समस्या के समाधान की मांग किये हैं।

इनरव्हील क्लब ऑफ वाराणसी साउथ की तीसरी बार अध्यक्ष बनी खुशबू जायसवाल, सदस्यों और पदाधिकारियों ने दी बधाई और शुभकामनाएं

सेवा और महिला सशक्तिकरण के संकल्प के साथ नई टीम ने संभाली जिम्मेदारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। बीएलडब्लू स्थित होटल ऐलिगैंस में इनरव्हील क्लब ऑफ वाराणसी साउथ का 54वां शपथ ग्रहण समारोह बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ द्वीप प्रज्वलन से किया गया गणेश वंदना की सुंदर प्रस्तुति आद्या राय ने की। कार्यक्रम का सफल संचालन रेणु कैला ने किया डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन मधु कमानी मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस उपलक्ष्य में क्लब द्वारा एक महिला को सिलाई मशीन प्रदान की जिससे वो अपना जीवन यापन कर सके।

दो बच्चों को स्कूल की फीस क्लब के मेंबर्स द्वारा दी गई तथा साथ में आदित्य नगर बालवाड़ी के बच्चों को 25 स्कूल बैग और स्कूल का जूता दिया गया और नेत्रहीन बच्चो को कॉपी दिया गया। सखी पैड द्वारा सेनेटरी नैपकिन आदित्य नगर की सिलाई केंद्र की बालिकाओ को वितरण किया गया इसके साथ ही रोटी बैंक संस्था को दो गैस सिलिंडर दिया गया।

जैसा की डीसी मधु कमानी ने स्वास्थ के प्रति महिलाओं को जागरूक करने का टारगेट रखा है क्लब द्वारा सोयाबीन और बॉनविटा पाउडर उर्मिला देवी फाउंडेशन के बचों को दिया गया।

मेहमानों का स्वागत टीका लगाकर विनीता शर्मा और मीनोट्टी चक्रवर्ती ने किया। नई टीम को आगामी वर्ष 2026-2027 का भार सौपा गया। आगामी वर्ष की प्रेसिडेंट खुशबू जायसवाल ने अपनी टीम का स्वागत किया। सेक्रेट्री डाक्टर वीना अग्रवाल, वाईस प्रेसिडेंट रेणुकैला, ट्रेजरार अर्चिता धार, आईएसओ दीप माला राय एवम क्लब कोरेस्पोंडेंट पूनम कपूर का स्वागत खुशबू जायसवाल ने गिफ्ट देकर किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में प्रेसिडेंट खुशबू जायसवाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

डिस्टिक चेयरमैन मधु कमानी ने 2026- 27 की अध्यक्ष खुशबू जायसवाल को पहनाकर कालर और दी बधाई जिसके बाद अध्यक्ष खुशबू जायसवाल, सचिव डाक्टर वीना अग्रवाल, ट्रेजरार अर्चिता अग्रवाल धार, आइएसओ दीप माला, एडिटर पूनम कपूर का डिस्टिक चेयरमैन मधु कमानी ने सभी पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण कराया। मुख्य अतिथि डिस्टिक चेयरमैन मधुकमानी ने अपने भाषण में महिला सशक्तिकरण एवम महिलाओं के स्वास्थ के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया उन्होंने आगे कहा की खुशबू जायसवाल लगातार तीसरी बार अध्यक्ष बनी है हमें पूर्ण विश्वास है पिछले दो वर्षो की तुलना इस वर्ष और अच्छा कार्य क्लब के सदस्यों के साथ मिलकर करेंगी।

कार्यक्रम का समापन डॉ वीणा अग्रवाल ने धन्यवाद देकर किया। क्लब मेंबर्स इंदु गुलाटी, माला श्रीवास्तव, डाक्टर विनीता श्रीवास्तव, विनीता शर्मा, पुष्पलता अग्रवाल, रानी खन्ना, चंद्रिमा चक्रवर्ती, बीना गुप्ता, किरण अग्रवाल, स्वाति ने सभी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। डिस्टिक ट्रेजरार अनुराधा भाटिआ, पीएटी अर्चना वाजपेयी, पीडीसी कुसुम मित्तल, पीडीसी ममता द्विवेदी सहित अन्य क्लब के अध्यक्ष, सचिव, कोर्डिनेटर्स उपस्थित रहे।

स्कूल चलो अभियान फेज-2 का हुआ शुभारम्भ

वेलकम इंडिया संवाददाता

कछवारोड़। पी.एम.श्री प्राथमिक विद्यालय ठटरा-प्रथम के प्रांगण से ब्लॉक स्तरीय स्कूल चलो अभियान फेस- 2 का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य राजेन्द्र प्रसाद पटेल तथा विशिष्ट अतिथि खण्ड विकास अधिकारी सेवापुरी राजेश सिंह एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी सेवापुरी संजय कुमार यादव ने संयुक्त रूप से रैली को हरी झंडी दिखा कर रवाना किये। गांव से विभिन्न बस्तियों से होते हुए रैली पी.एम.श्री प्राथमिक विद्यालय ठटरा-प्रथम पर सभा के रूप परिवर्तित हुई।

कार्यक्रम में सर्वाधिक नामांकन के लिए पूर्व माध्यमिक विद्यालय ठटरा, कम्पोजिट स्कूल करधना व पी.एम.श्री प्राथमिक विद्यालय ठटरा-प्रथम के प्रधानाध्यापकों को साथ ही गत वर्ष की अपेक्षा अधिक नामांकन के लिए पूर्व माध्यमिक विद्यालय घोसिला, कम्पोजिट विद्यालय खगरामपुर, कम्पोजिट विद्यालय गैरहा, प्राथमिक विद्यालय गोसाईपुर तथा प्राथमिक विद्यालय कालिकाधाम -द्वितीय के प्रधानाध्यापकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।सभा को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा ही आगे की शिक्षा की मजबूत नींव होती है।

खण्ड विकास अधिकारी ने कहा कि गुरूजनों की राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका होती है अतः कोई भी बच्चों शिक्षा से बंचित न रहे। खण्ड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि हम सबका प्रयास है कि विद्यालयों को चाइल्ड फ्रेंड्ली बनाकर प्रत्येक बच्चे को शिक्षित करें।

इस अवसर पर जू०शि०संघ के ब्लॉक अध्यक्ष सन्तोष कुमार सिंह, महामंत्री शशिकान्त दुबे, प्रा०शि०संघ के ब्लॉक अध्यक्ष काशीनाथ यादव, जिला उपाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह, रा०शै०म०संघ के ब्लॉक अध्यक्ष आनन्द सिंह, शिक्षक नेता दिनेश सिंह, ए.आर.पी. शशि प्रकाश राय व राकेश कुमार बिन्द सहित ब्लॉक के कई नोडल शिक्षक संकुल, शिक्षक संकुल, प्रधानाध्यापक व शिक्षक मौजूद रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान सुनील कुमार बिन्द, कुशल संचालन शिक्षक सुशील कुमार व धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाध्यापिका रेनू गुप्ता ने किया।

जादू के माध्यम से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश, 'मां के नाम एक वृक्ष लगाओ' अभियान से जुड़ने की अपील

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। वन विभाग अनूपशहर रेंज के अनूपशहर भईपुर दुराहा और अमरपुर चौराहा पर 'मां के नाम एक वृक्ष लगाओ' अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में जादूगर ने अपने अनोखे अंदाज में पर्यावरण संरक्षण और पौधारोपण का संदेश दिया। रंग-बिरंगे जादुई करतबों के माध्यम से उन्होंने उपस्थित लोगों, विशेषकर बच्चों को प्रकृति और पेड़ों के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान जादूगर ने मनोरंजन के साथ-साथ यह संदेश दिया कि जिस प्रकार मां हमारे जीवन का आधार होती हैं, उसी प्रकार वृक्ष भी जीवन के लिए अमूल्य हैं। उन्होंने सभी से अपनी मां के सम्मान में कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लेने की अपील की। जादू के आकर्षक प्रदर्शन के बीच पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और हरियाली बढ़ाने का संदेश प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचा। उपस्थित लोगों ने अभियान की सराहना करते हुए पौधारोपण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी नागरिकों से 'मां के नाम एक वृक्ष लगाओ' अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देने का आह्वान किया।

स्याना पुलिस के हत्थे चढ़ा दहेज लोलुप पत्नी हंता पति

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। दहेज के लालच में पत्नी की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या करने वाले दहेज लोलुप पति को स्याना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। शेष अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। स्याना कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक रामनारायण सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर वांछित अभियुक्त मोनू निवासी ग्राम हाजीपुर थाना क्षेत्र स्याना को उसके ताऊ पप्पू के ग्राम हाजीपुर जंगल स्थित नलकूप से गिरफ्तार कर लिया गया। अभियुक्त से हत्या में प्रयुक्त नाजायज छुरा बरामद हुआ। मालूम हो कि बीते दिनों मोनू के घर से उसकी पत्नी गीता का रक्त रंजित शव बरामद हुआ था।

मृतका के परिजनों ने कोतवाली पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि मोनू व उसके घरवाले दहेज की मांग को लेकर गीता को प्रताड़ित कर रहे थे तथा मुख्य आरोपी ने गीता की गला रेतकर हत्या कर दी। गीता के भाई अशोक निवासी ग्राम घनसूरपुर थाना क्षेत्र स्याना ने पुलिस को दी तहरीर में अवगत कराया था कि गीता की शादी बीते साल 26 नवंबर को मोनू के साथ सम्पन्न हुई थी तथा शादी में 3 तोला सोना, करीब डेढ़ किलो चांदी के जेवरात व जरूरी सामान दिया गया था। शादी के कुछ दिन बाद ही मोनू गीता के कीमती जेवरात को बेचकर खा गया और आये दिन कारोबार करने के लिये गीता को मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना देकर 5 लाख रूपए की मांग करता रहता था। जिस पर गीता के मायके वाले 5 लाख रुपए का इंतजाम करने में लगे थे। 28 जून को फोन पर जानकारी मिली कि किसी ने धारदार हथियार से गीता की हत्या कर दी। अशोक व परिवार वाले ग्रामीणों के साथ गांव हाजीपुर पहुंचे और वहां गीता का गला किसी धारदार हथियार से कटा मिला। तहरीर में अशोक ने शक जताया कि गीता की हत्या दहेज को लेकर उसके पति मोनू, सास, ससुर, भाई, बहन, मोनू के ताऊ व चाचा ने षडयंत्र रचकर हत्या की। पुलिस अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही थी तथा मोनू पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस अग्रिम कार्रवाई कर रही है।

17 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पोखर से मिला युवक का शव, परिजनों में मचा कोहराम

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहाँगीराबाद। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चाँदोक में पोखर में डूबने से लापता हुए 40 वर्षीय राजेंद्र का शव करीब 17 घंटे की सघन तलाश के बाद बुधवार को बरामद कर लिया गया। एनडीआरएफ (NDRF) और स्थानीय पुलिस के संयुक्त रेस्क्यू अभियान के बाद शव को बाहर निकाला गया। इस दुखद घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गाँव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, ग्राम चाँदोक निवासी राजेंद्र पुत्र चंद्रवीर मंगलवार की शाम करीब 5 बजे गाँव के पोखर में नहाने के लिए उतरा था। ग्रामीणों ने राजेंद्र को गहरे पानी में जाने से मना किया था, लेकिन चेतावनी को नजरअंदाज करना उसके लिए जानलेवा साबित हुआ और वो गहरे पानी में समा गया। घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली प्रभारी धर्मेंद्र राठौर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे। मंगलवार रात अँधेरा होने के कारण रेस्क्यू अभियान रोकना पड़ा था। बुधवार सुबह एनडीआरएफ की टीम ने पुनः मोर्चा संभाला और पोखर में व्यापक खोज अभियान शुरू किया। अंततः, करीब 17 घंटे की कड़ी मेहनत के बाद गोताखोरों ने राजेंद्र का शव ढूँढ निकाला। शव मिलने के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों की आँखों में आँसू थे और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। राजेंद्र की असामयिक मृत्यु से गाँव में मातम पसरा हुआ है। घटना के बाद से ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुटी रही, सभी पीड़ित परिवार को सांत्वना देते नजर आए।

मोदी ने कैबिनेट में काशी को दिया 25,000 करोड़, झूमे भाजपाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

मिजार्मुराद। रोहनिया केशरीपुर (रोहनिया) स्थित क्षेत्रीय कार्यालय पर बुधवार की शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा काशी को मेगा रोड प्लान के तहत 25,000 करोड़ के मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को पारित करने पर और शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या को खत्म करने के लिए दो नए एलिवेटेड कॉरिडोर (वरुणा और गंगा रिवर कॉरिडोर) कर निर्माण को मंजूरी दी देने पर काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया और वाराणसी भाजपा जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल के नेतृत्व में ढोल नगाड़ों के साथ एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर करते हुए बधाई दिया गया।

जिलाध्यक्ष ने कहां की यह केवल एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि काशी के गौरव, पर्यटन, व्यापार और भविष्य को नई ऊँचाइयों तक ले जाने वाला ऐतिहासिक संकल्प है। अब काशी को मिलेगा आधुनिक, सुगम और विश्वस्तरीय यातायात नेटवर्क, जिससे श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी।

गंगा की आस्था, बाबा विश्वनाथ का दिव्य धाम और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर यही है विकसित काशी की नई पहचान।इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री प्रवीण सिंह गौतम, संजय सोनकर, सुरेन्द्र सिंह पटेल, जेपी दूबे, वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव सिंह गौतम, जिला उपाध्यक्ष अरविंद पटेल, मंत्री उषा मौर्या, अश्वनी पांडेय, विजय राज यादव, अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित', ज्ञानचंद्र पटेल, जगदीश जायसवाल, रिंकू पटेल, किशन सिंह, प्रीति मिश्रा, मुकेश, वीरेंद्र, खुशबू सिंह समेत सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दहेज हत्या के आरोप में तीन गिरफ्तार अन्य की तलाश जारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

रामघाट/बुलंदशहर। रामघाट पुलिस ने विवाहिता की हत्या के तीन नामजद लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा अन्य की तलाश जारी है। थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि जनपद अलीगढ़ के गंगीरी थाना क्षेत्र के ग्राम मझोला निवासी कालीचरण ने अपनी पुत्री राजरानी की शादी 19 फरवरी 2026 को थाना रामघाट क्षेत्र के ग्राम पेसरी जनपद बुलंदशहर के साथ की थी अपनी हैसियत के अनुसार करीब आठ लाख रुपए सामान शादी में दहेज में दिया था उसके बाद भी ससुराल पक्ष के लोग अलीगढ़ में प्लाट खरीदने के लिए तीन लाख रुपए की अतिरिक्त दहेज मांग करते आ रहे थे। आरोप लगाया कि मंगलवार को दोपहर में दामाद विपिन कुमार ने विवाहिता के परिजनों को फोन कर बताया कि राजरानी ने फांसी का फंदा लगा लिया है वह अतरौली के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचे सूचना पाकर परिजन अस्पताल पहुंचे तो वहां पर राजरानी मृत अवस्था में मिली थी उसके पहुंचने पर ससुराल पक्ष के लोग मौके से भाग गए परिजन शव को लेकर रामघाट पहुंचकर कार्रवाई की मांग की मृतक पिता की तहरीर पर पति विपिन कुमार पुत्र राम किशोर ससुर राज किशोर पुत्र गुलफान सिंह सास पत्नी रामकिशोर जेठ राजेश जिठानी अंजली देवर राजकुमार के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक विवाहिता के हत्या आरोपी पति विपिन कुमार ससुर रामकिशोर सास शकुंतला देवी को पुलिस टीम ने एस एस आई कृष्णपाल सिंह उप निरीक्षक सुनील कुमार महिला उपनिरीक्षक सरिता शाक्य पुलिस टीम ने मनोज कुमार यादव के भट्टा से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है मृतक विवाहिता के नामजद आरोपियों की पुलिस सरगर्मी से तलाश करने में जुट गई है।

कांवड़ यात्रा को जीरो प्लास्टिक इवेंट बनाएं: महापौर

कांवड यात्रा की व्यवस्थाओं के सम्बंध में कांवड़ शिविर संचालकों व निगम अधिकारियों की बैठक को महापौर ने किया सम्बोधित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। महापौर डॉ. अजय कुमार ने कहा कि जो भी शिव भक्त सहारनपुर आये वह सुखद अनुभूति लेकर यहां से जाएं, यह प्रयास हम सबको करना है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का महापर्व है। समता और समानता के इस महापर्व को हम इसकी पवित्रता और गरिमा को बनाये रखते हुए मनाएं, यह हम सब का परम कर्तव्य है। महापौर डॉ. अजय कुमार नगर निगम के शाकुंभरी सभागार में कांवड यात्रा की व्यवस्थाओं के सम्बंध में आयोजित कांवड़ शिविर संचालकों व निगम अधिकारियों की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। महापौर ने कांवड़ यात्रा को पूरी तरह जीरो प्लास्टिक इवेंट बनाने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी तरह का कूड़ा कचरा सड़कों पर फैलने से रोका जाए और उसे डस्टबिन में ही डाला जाएं, उन्होंने इसके लिए पर्याप्त डस्टबिन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। महापौर ने निगम अधिकारियों को निगम क्षेत्र अंतर्गत कांवड़ यात्रा मार्ग पर पेड़ो एवं झाड़ियों की कंटाई-छंटाई करने, मार्ग पर अतिक्रमण तथा अनावश्यक विज्ञापन बोर्ड व होर्डिंग्स हटवाने, पूरे मार्ग पर अद्भुत प्रकाश व्यवस्था करने, वाटर टैंक भरने तथा शुद्ध पेयजल व कांवडियों के स्नान के लिए जलापूर्ति की व्यवस्था करने सहित सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रुप देने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश देते हुए सभी मोबाइल शौचालयों में पानी की आपूर्ति तथा उनकी सफाई व्यवस्था पर जोर दिया। उन्होंने सभी प्रमुख चौराहों सहित सभी संवेदनशील स्थानों पर कैमरों तथा पब्लिक एडेज्स सिस्टम को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने शिविर संचालकों को कहा किवे कोई भी प्लास्टिक का बर्तन तथा क्रॉकरी इस्तेमाल न करें। उन्होंने शिव भक्तों को स्वागत रुप में पौधे भेंट करने का तथा शिविरों में मधर स्वर लहरी के साथ भगवान शिव की स्तुति गान करने का भी सुझाव दिया।

इससे पूर्व अपर नगरायुक्त मृत्युंजय, महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण सुरेन्द्र प्रसाद, नगर स्वास्थ अधिकारी डॉ. प्रवीण शाह व उद्यान प्रभारी डॉ.संदीप मिश्रा तथा महाप्रबंधक स्मार्ट सिटी दिनेश सिंघल ने महापौर व शिविर संचालकों को निगम की कांवड़ यात्रा कार्ययोजना से अवगत कराते हुए बताया कि कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाली 60 गलियों एवं 52 कट को चिह्नित कर लिया गया है, वहां बांस-बल्ली लगाकर बेरिकेडिंग लगायी जायेगी। इसके अलावा कांवड़ यात्रा के दौरान बारिश की संभावना के दृष्टिगत जल निकासी के लिए वाटर पम्प की व्यवस्था तथा 18 मोबाइल शौचालयों की व्यवस्था की गयी है। अधिकारियों ने शिविर संचालकों के सुझाव पर अन्य तैयारियों की भी जानकारी दी। कावंड सघ के अध्यक्ष संजय फुटेला, शिविर संचालक दिनेश सेठी, व्यापारी नेता राजकुमार मक्कड़ व राजेंद्र पाण्डेय सहित अनेक शिविर संचालकों ने सुझाव दिए।

पूर्व सैनिक शौर्य कल्याण संगठन ने कारगिल विजय दिवस समारोह का किया आयोजन

अच्छे नागरिक बन राष्ट्र की समृद्धि एवं विकास में योगदान करें- परमवीर चक्र से सम्मानित कैप्टन योगेन्द्र सिंह यादव

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। पूर्व सैनिक शौर्य कल्याण संगठन मोदीनगर के तत्वाधान में मुल्तानी मल मोदी डिग्री कॉलेज मोदीनगर में कारगिल विजय दिवस समारोह का आयोजन बहुत धूमधाम से किया गया। कारगिल विजय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि कारगिल युद्ध के महानायक, अदम्य साहसी, राष्ट्र भक्ति की अद्वितीय प्रतिमूर्ति, परम योद्धा, युद्धकाल के सर्वोच्च सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित कैप्टन योगेन्द्र सिंह यादव रहे। कार्यक्रम में पहुँचे मुख्य अतिथि ने सर्वप्रथम सूचेतापूरी गोविंदपुरी में प्रस्तावित सैनिक भवन के निर्माण का शुभारम्भ कर उसकी नींव की ईंट अपने कर कमलों द्वारा रखी।इसके उपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित कैप्टन योगेन्द्र सिंह यादव मोदी मंदिर पहुँचे जहाँ पर 35 यूपी वाहिनी एन सी सी मोदीनगर के एन सी सी कैडेट्स ने उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया इसके उपरांत वाहिनी के लगभग दो सौ एन सी सी कैडेट, मोदी कॉलेज के एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर के नेतृत्व में राष्ट्र भक्ति गीतों एवं तिरंगे लहराते हुए भारत माता की जय और वंदेमातरम के उद्घोष के साथ रैली के रूप में उन्हें खुली जीप में लेकर मुल्तानी मल मोदी डिग्री कॉलेज पहुँचे जहां पर शहर के गणमान्य व्यक्तियों एवं पूर्व सैनिकों ने कारगिल युद्ध के रियल हीरो का स्वागत किया तथा एन सी सी कैडेट्स ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्गिल के 527 शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करके किया गया। छाया पब्लिक स्कूल मोदीनगर के नन्हें मुन्ने छात्रों ने स्वागत गीत एवं राष्ट्र भक्ति गीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

इस अवसर पर शहर विधायक डॉक्टर मंजू शिवाच, नगरपालिका परिषद चेयरमैन विनोद वैशाली, शहर के पूर्व चेयरमैन एवं पूर्व विधायक पंडित सुदेश शर्मा, बाबा प्रमेन्दर आर्य,एडवोकेट बी सी बंसल, एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर, डॉ अरुण त्यागी,सत्येंद्र तोमर आदि में अपने विचार व्यक्त किये। विजय दिवस समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता पैतीस यूपी वाहिनी एन सी सी मोदीनगर के कमान अधिकारी कर्नल पी के सिंह एवं संचालन संगठन के संस्थापक एवं समन्वयक लक्ष्मण सिंह राठी ने किया। कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन योगेन्द्र सिंह यादव ने कारगिल युद्ध के दौरान अपने अनुभवों को साझा करते हुए शौर्य गाथा का विस्तृत वर्णन किया तथा सभी उपस्थित जनों और एन सी सी कैडेट्स को अपने कर्तव्यों का पालन करने एवं एक अच्छा नागरिक बन राष्ट्र की समृद्धि और विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। विजय दिवस समारोह को सफल बनाने के लिए संगठन अध्यक्ष ब्लैक कैट कमांडो मनोज शर्मा एवं महासचिव ओमपाल तेवतिया ने सभी उपस्थित अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मोदी कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ सतीश चन्द अग्रवाल, प्रधानाचार्य श्यामलाल, नगर पालिका परिषद सभासद, डॉ बब्ली गुर्जर, सतीश कुमार ,कैप्टन रजनीश जिंदल, सीटीओ विजय कुमार, ऑफि सर ऋतेश राय, सूबेदार बसंत कुमार, सूबेदार आफताब, सुबेदार सूर्य मान घाले, हवलदार भूप राम, संगठन के सैकड़ों पूर्व सैनिकों एवं शहर के गणमान्य व्यक्तियों का विशेष योगदान रहा।

ट्रिनिटी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ट्रिनिटी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, अबूपुर में वृक्षारोपण दिवस ' एक पौधा माँ के नाम ' से बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। विद्यालय के अध्यक्ष डॉ संदीप रूहेला एवं प्रबंधिका श्रीमती रितु गोयल के संरक्षण में, प्रधानाचार्य रूपल रस्तोगी व उप प्रधानाचार्या श्रीमति शिखा गोयल के कुशल नेतृत्व में इस विशेष दिवस की गतिविधियों को दो भागों में क्रियान्वित किया गया। कक्षा एक से पांच तक के कुछ छात्रों ने पौधारोपण किया और कुछ ने ' पौधारोपण क्यों आवश्यक है ' विषय पर अपने विचारों की अभिव्यक्ति दी। प्रधानाचार्य ने सभी को जागरूक व प्रेरित करते हुए बताया कि वृक्षारोपण का हमारे पर्यावरण, जलवायु व मानवजीवन के अस्तित्व के लिए अत्यधिक महत्व है। उप प्रधानाचार्या ने समझाया कि कैसे वृक्ष जीव जंतुओं का आश्रय हैं और हमे औषधियाँ प्रदान करते हैं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कक्षा अध्यापिकाओं के साथ- साथ कोरडिनेटर श्री मति वंशिका जी का विशेष योगदान रहा।

लायंस क्लब के पदाधिकारियों ने मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। लायंस क्लब के पदाधिकारियों ने अपने एक कार्यक्रम के तहत मेधावी विद्यार्थियो का सम्मान किया। लायंस क्लब मोदीनगर राईजिंग स्टार की अध्यक्ष लायन डा. वर्षा गुप्ता ने बताया कि लायंस मंडल 321 उ1 के गवर्नर लायन आदित्य गुप्ता के एक दिन एक एक्टिविटी ध्येय वाक्य के अनुसार पूरे मंडल के 315 छात्रों का सम्मान किया जा रहा है। इस श्रृंखला में बुधवार को तुलसी राम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 10 के उन छात्रों को सम्मानित किया गया,जिन्होंने अपने कठिन परिश्रम और लगन से शैक्षिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल का नाम रोशन किया। इस समारोह में मानिक गर्ग 92.8%, जतिन92.4%, और गुजंन गर्ग 91.6% को कक्षा 10 में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर प्रतिभाशाली प्रदर्शन करने पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया और छात्रों को बधाई दी । लायन एकता अग्रवाल (क्लब सचिव),लायन कल्पना गुप्ता (क्लब कोषाध्यक्ष) ने छात्रों को प्रेरित किया लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन डा. वर्षा गुप्ता ने समारोह के दौरान बताया कि यह सम्मान समारोह लायंस क्लब द्वारा पूरे भारत में आयोजित किया जा रहा है।

इसका मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं और विद्यालयों को लायंस क्लब की गतिविधियों से जोड़ना और शिक्षा के क्षेत्र में उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि लायंस क्लब मल्टीपल 321 के तहत लायंस ओलंपियाड का आयोजन किया जाएगा। जिसमें गणित, अंग्रेजी और विज्ञान जैसे विषयों में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य छात्रों के ज्ञान का विकास करना और उन्हें एक ऐसा मंच प्रदान करना है जहाँ वे अपनी शैक्षिक क्षमताओं का प्रदर्शन कर सकें। यह प्रतियोगिताएं छात्रों के समग्र विकास के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम साबित होंगी, जिससे उनके माता-पिता और शिक्षक भी उनकी प्रगति का मूल्यांकन कर सकेंगे। विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती रजनी ओहरी ने इस अवसर पर लायंस क्लब के सदस्यों का हार्दिक धन्यवाद और आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अध्यापक नरेन्द्र कुमार व ममता शर्मा ने कुशलता पूर्वक किया।

रोवर से की पैमाईश,राजस्व टीम को दी ट्रेनिंग, अवैध कब्जा हटवाया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। उप जिलाधिकारी मोदीनगर अजीत कुमार सिंह के निर्देशन में ग्राम अबूपुर तहसील मोदीनगर में रोवर से यूपी आर सी धारा 24 की पैमाईश की गई ।साथ ही एक आर आई और 4 लेखपालों की राजस्व टीम को ट्रेनिंग भी दी गई। रोवर के द्वारा फीता/मीटर टेप का प्रयोग किए बिना तीव्र गति से पैमाईश की जा सकती है । रोवर की पैमाईश में अपेक्षाकृत त्रुटि की संभावना भी कम रहती है ।ऐसी टेढ़ी मेढ़ी आकृतियाँ जैसे कि जोहड़,तालाब इत्यादि जिनका क्षेत्रफल निकालना पहले काफी कठिन और समयसाध्य था वह रोवर से अत्यंत सरलता पूर्वक निकाला जा सकता है ।साथ ही अत्यंत वृहद क्षेत्रफल को भी बहुत कम समय में मापा जा सकता है ।

इस मौके पर तहसीलदार रजत सिंह, मुकेश शर्मा नायब तहसीलदार आदि उपस्थित रहे। बुधवार को ग्राम नंगौला अमीपुर परगना जलालाबाद तहसील मोदीनगर के खसरा संख्या-375 ख रकबाई 0.2150 है0 की भूमि पर टीन डालकर अवैध कब्जा किया गया था जिसकों राजस्व निरीक्षक/क्षेत्रीय लेखपाल विनोद कुमार व गौरव भारद्वाज लेखपाल एवं पुलिस बल द्वारा हटवा दिया गया है।

अंतरराष्ट्रीय खेलों की नीव है स्कूलः डॉक्टर अरुण त्यागी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सीबीएसई द्वारा चार दिवसीय 15 जुलाई से 18 जुलाई,सीबीएसई ,बॉयज हैंडबॉल चैंपियनशिप 2026 का भव्य आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि डॉक्टर अरुण कुमार त्यागी प्रिंसिपल छाया पब्लिक स्कूल मोदीनगर, मिलेनियम एकेडमी के चेयरमैन श्री मधुर नेहरा एवं मैनेजर श्री जसवीर सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि का स्वागत विद्यालय के प्रधानाचार्य संदीप कुमार, समस्त शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा अत्यंत भव्य एवं उत्साहपूर्ण ढंग से किया गया। मुख्य अतिथि के स्वागत में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित सभी अतिथियों का मन मोह लिया।

अपने प्रेरणादायी संबोधन में मुख्य अतिथि डॉक्टर अरुण कुमार त्यागी ने विभिन्न विद्यालयों से आई 30 टीमों के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेल भावना, अनुशासन एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता तथा टीम भावना के विकास का सशक्त आधार हैं।

यह चार दिवसीय प्रतियोगिता 15 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न विद्यालयों की टीमें अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। इस अवसर पर विद्यालय की उप-प्रधानाचार्या श्रीमती नीतू चौधरी, समन्वयक श्रीमती अपूर्वा एवं श्रीमती वैशाली नेहरा ने भी सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएँ दीं।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं अन्य स्टाफ का सहयोग अत्यंत सराहनीय रहा। विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागी टीमों का हार्दिक स्वागत करते हुए प्रतियोगिता के सफल एवं सौहार्दपूर्ण आयोजन की कामना की।

विश्व युवा कौशल दिवस पर आरकेजीआईटी के एनसीसी कैडेट्स को 3 डी प्रिंटिंग का प्रशिक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी गाज़ियाबाद की एनसीसी इकाई द्वारा कैडेट्स के तकनीकी एवं व्यावहारिक कौशल के विकास हेतु एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर एच. जी. गर्ग के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर सीटीओ एनसीसी विकास त्यागी, एनसीसी समन्वयक सुश्री प्रिया शर्मा तथा एनसीसी ट्रेनर देवांश सिंह की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम के अंतर्गत कैडेट्स को 3डी प्रिंटिंग तकनीक पर व्याख्यान के माध्यम से इसकी कार्यप्रणाली, आधुनिक उद्योगों में इसके उपयोग एवं भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराया गया। इसके पश्चात 3 डी प्रिंटर का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया, जिसमें कैडेट्स ने डिजिटल मॉडल तैयार करने से लेकर प्रिंटर द्वारा त्रि-आयामी (3 डी) वस्तु के निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा तथा आधुनिक विनिर्माण तकनीक के व्यावहारिक उपयोग को समझा। इस अवसर पर वक्ताओं ने युवाओं के लिए तकनीकी कौशल, नवाचार तथा आत्मनिर्भरता के महत्व पर बल देते हुए कैडेट्स को नई तकनीकों को अपनाने और अपने कौशल का निरंतर विकास करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम ने कैडेट्स में तकनीकी जागरूकता, नवाचार के प्रति रुचि तथा भविष्य की चुनौतियों के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने अपनी पत्नी के स्वास्थ्य का जाना हालचाल, पतंजलि वेलनेस सेंटर में आयुर्वेद और योग पर हुई चर्चा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश सरकार में स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने बुधवार को मोदीनगर स्थित पतंजलि वेलनेस सेंटर पहुंचकर उपचाराधीन अपनी पत्नी के स्वास्थ्य का हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने केंद्र का भ्रमण किया तथा आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा की उपयोगिता पर विस्तृत चर्चा की।

केंद्र में सेवा दे रहे स्वामी आरोग्य देव से मंत्री ने आयुर्वेद आधारित उपचार पद्धति, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से रोगों के उपचार और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के विषय में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने आयुर्वेद और योग को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए जन-जन तक इनकी पहुंच बढ़ाने पर बल दिया।

पतंजलि वेलनेस सेंटर के प्रतिनिधियों ने बताया कि केंद्र का उद्देश्य योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा एवं संतुलित जीवनशैली के माध्यम से समाज को निरोग और स्वस्थ बनाना है। आधुनिक सुविधाओं एवं अनुभवी चिकित्सकों के सहयोग से लोगों को समर्पित भाव से स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मंत्री के आगमन पर केंद्र के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया तथा उन्हें केंद्र में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं एवं उपचार पद्धतियों की जानकारी दी। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भी आयुर्वेद और योग के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

एटीएम बदलकर ठगी करने वाला शातिर गिरफ्तार, 50 एटीएम कार्ड और आईफोन बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना खोड़ा पुलिस ने एटीएम कार्ड बदलकर लोगों के बैंक खातों से रुपये निकालने वाले एक शातिर ठग को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 50 एटीएम कार्ड, 9,500 रुपये नकद और एक आईफोन बरामद किया गया है। 15 अप्रैल 2026 को कालू सीमेंट के पास स्थित एटीएम पर एक व्यक्ति का कार्ड बदलकर उसके खाते से 26,150 रुपये निकाल लिए गए थे। पीड़ित की शिकायत पर 13 जुलाई को थाना खोड़ा में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, मैनुअल इनपुट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान आकाश कुमार उर्फ अक्की पंडित (26) निवासी चोटपुर कॉलोनी, सेक्टर-63, छिजारसी, नोएडा के रूप में की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने इंदिरापुरम अंडरपास के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 50 एटीएम कार्ड, 9,500 रुपये नकद और एक आईफोन बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि उसने एटीएम कार्ड बदलकर ठगी की कितनी अन्य घटनाओं को अंजाम दिया और इस गिरोह में उसके साथ कौन-कौन शामिल हैं। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

गाजियाबाद पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति का असर, शिकायत मिलते ही 5 कर्मियों पर कार्रवाई

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट गाजियाबाद में पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली पर जनता की प्रतिक्रिया अब सीधे कार्रवाई का आधार बन रही है। फीडबैक सेल पर मिली शिकायतों और नकारात्मक प्रतिक्रियाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस विभाग ने 5 पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर संचालित फीडबैक सेल के माध्यम से नागरिकों से पुलिस सेवाओं और कर्मचारियों के व्यवहार की जानकारी ली जा रही है। इसी क्रम में मिली शिकायतों के आधार पर थाना कौशांबी के मुख्य आरक्षी दिनेश कुमार और थाना शालीमार गार्डन के मुख्य आरक्षी मकसूद खान को निलंबित किया गया है। इसके अलावा कार्य में लापरवाही बरतने की शिकायत पर थाना नंदग्राम के उपनिरीक्षक प्रभाकर सिंह और थाना इंदिरापुरम के उपनिरीक्षक सुखवीर सिंह को भी निलंबित किया गया। वहीं एसीपी नंदग्राम कार्यालय में तैनात मुख्य आरक्षी मोहम्मद आलम को रिजर्व पुलिस लाइन स्थानांतरित किया गया है। पुलिस विभाग का कहना है कि फीडबैक सेल पुलिस और जनता के बीच विश्वास का सेतु बनकर काम कर रही है। नागरिकों की शिकायतों और सुझावों के आधार पर पुलिस व्यवस्था में सुधार किया जा रहा है।

मिशन शक्ति अभियानः छात्राओं को सुरक्षा, आत्मरक्षा और साइबर जागरूकता का मिला पाठ'

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद। महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत बुधवार को कोतवाली नगर क्षेत्र के एमएमएच बालिका इंटर कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सहायक पुलिस आयुक्त उपासना पाण्डेय ने मिशन शक्ति टीम के साथ छात्राओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा और साइबर अपराध से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

इस दौरान छात्राओं को आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 1090, महिला सहायता 181 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया।

अधिकारियों ने कहा कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न, साइबर ठगी या अन्य आपात स्थिति में तत्काल इन हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर पुलिस की सहायता लें। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाना, उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना रहा।

खाकी का नया चमकता सितारा: एसीपी सिद्धार्थ गौतम

संघर्ष की भट्टी से तपकर निकले गाजियाबाद के उस जांबाज की कहानी, जिसके इरादों के आगे घुटने टेकते हैं अपराधी

एसीपी सिद्धार्थ गौतम

राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद कमिश्नरेट का कविनगर इलाका। ये वो क्षेत्र है जिसे गाजियाबाद का दिल कहा जाता है। वीआईपी मूवमेंट, प्रशासनिक दफ्तर, रसूखदार सोसायटियां और व्यापारिक हलचल। इस बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण सर्किल की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की कमान आज एक ऐसे युवा पुलिस अधिकारी के हाथों में है, जिसकी हनक से अपराधी कांपते हैं और जिसकी सादगी पर आम जनता भरोसा करती है। हम बात कर रहे हैं प्रांतीय पुलिस सेवा (PPS) के बेहद सक्रिय और तेज-तर्रार अधिकारी सिद्धार्थ गौतम की, जिन्हें हाल ही में एसीपी कविनगर की कमान सौंपी गई है, साथ ही उनके कंधों पर लाइसेंसिंग और पुलिस लाइंस का अतिरिक्त महत्वपूर्ण कार्यभार भी है। लेकिन इस चमकती वर्दी और रौबदार कंधों पर लगे स्टार्स के पीछे एक लंबा सफर है-एक ऐसा सफर जो कड़ी मेहनत, अटूट संकल्प और मिट्टी से जुड़े रहकर आसमान छूने की जिद से बना है।

वेलकम इंडिया विशेष

बिहार की मिट्टी से उपजा प्रशासनिक संकल्प

सिद्धार्थ गौतम का जन्म 20 सितंबर 1990 को बिहार के ऐतिहासिक जिले पूर्वी चंपारण में हुआ था। यह वही चंपारण की ऐतिहासिक धरती है जिसने कभी महात्मा गांधी के सत्याग्रह को नई दिशा दी थी। इसी मिट्टी के संस्कार सिद्धार्थ के भीतर रचे-बसे हैं। उनके पिता श्री उमेश कुमार ने उन्हें बचपन से ही अनुशासन, ईमानदारी और समाज के प्रति संवेदनशीलता का पाठ पढ़ाया। एक मध्यमवर्गीय परिवार में पले-बढ़े सिद्धार्थ का शुरूआती जीवन बेहद अनुशासित और वैचारिक रूप से समृद्ध माहौल में बीता। उनके घर में शिक्षा और नैतिक मूल्यों को हमेशा सर्वोपरि रखा गया। स्कूली शिक्षा के दौरान ही सिद्धार्थ के मन में समाज के लिए कुछ बड़ा करने की तड़प पैदा होने लगी थी। उन्होंने जब स्नातक की पढ़ाई पूरी की, तो उनके सामने करियर के कई विकल्प थे। वे चाहते तो कॉर्पोरेट जगत की चकाचौंध चुन सकते थे, लेकिन उनके भीतर देश सेवा और प्रशासनिक व्यवस्था का हिस्सा बनकर बदलाव लाने की ललक थी। उन्होंने तय कर लिया था कि वे प्रशासनिक सेवाओं के जरिए ही देश की सेवा करेंगे। इसके बाद शुरू हुआ कठिन तपस्या का दौर।

कठिन परीक्षा और खाकी की शपथ

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (ढउर) परीक्षा को देश की सबसे कठिन राज्य स्तरीय परीक्षाओं में गिना जाता है। इस परीक्षा को पास करने के लिए केवल किताबी ज्ञान काफी नहीं होता, बल्कि इसके लिए मानसिक सुदृढ़ता और विषय की गहरी समझ जरूरी होती है। सिद्धार्थ गौतम ने इस चुनौती को स्वीकार किया, उन्होंने खुद को अध्ययन के बंद कमरों में झोंक दिया। इतिहास की जटिलताओं को समझा, भारतीय संविधान और राजनीति विज्ञान की बारीकियों को आत्मसात किया, कानून की धाराओं को अपनी ताकत बनाया और समसामयिक विषयों पर इतनी मजबूत पकड़ बनाई कि परीक्षा का हर पड़ाव उनके संकल्प के सामने छोटा नजर आने लगा । उनकी इस अटूट लगन का परिणाम यह हुआ कि उन्होंने पहले ही गंभीर प्रयासों में सफलता का परचम लहराया और उत्तर प्रदेश पुलिस में पीपीएस संवर्ग के लिए चुने गए। यूपी पुलिस में पीपीएस अधिकारियों का चयन सीधे डिप्टी एसपी (ऊरढ) के रूप में होता है, जो कि राज्य पुलिस सेवा का सबसे गौरवशाली पद माना जाता है। 21 जनवरी 2022–यह वह ऐतिहासिक तारीख थी, जब सिद्धार्थ गौतम आधिकारिक तौर पर उत्तर प्रदेश पुलिस का हिस्सा बने।इसके बाद वे पहुंचे यूपी पुलिस के ऐतिहासिक प्रशिक्षण केंद्र डॉ. भीमराव अंबेडकर पुलिस अकादमी, मुरादाबाद।मुरादाबाद की इस अकादमी में सिद्धार्थ ने केवल किताबी कानून नहीं सीखा, बल्कि कड़कड़ाती ठंड और तपती धूप में परेड ग्राउंड पर पसीना बहाया। उन्होंने अत्याधुनिक हथियारों को चलाने की कला सीखी, फॉरेंसिक साइंस की बारिकियों को समझा, साइबर क्राइम से निपटने के गुर सीखे और भीड़ नियंत्रण से लेकर दंगों से निपटने की व्यावहारिक ट्रेनिंग पूरी की। जब वे पासिंग आउट परेड के बाद बाहर निकले, तो वे सिर्फ एक अधिकारी नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश पुलिस के एक अभेद्य सुरक्षा कवच बन चुके थे।

गाजियाबाद में कदम और 'सिंघम' अवतार

20 अगस्त 2023 को सिद्धार्थ गौतम की पहली तैनाती गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में हुई। चूंकि गाजियाबाद में कमिश्नरेट प्रणाली लागू हो चुकी थी, इसलिए क्षेत्राधिकारी के पद को सहायक पुलिस आयुक्त (अउढ) का नया नाम मिला। शुरूआत में सिद्धार्थ को मसूरी और उसके बाद बेहद संवेदनशील माने जाने वाले लोनी सर्किल की जिम्मेदारी सौंपी गई। दिल्ली बॉर्डर से सटे होने के कारण लोनी इलाका भौगोलिक और आपराधिक दोनों दृष्टिकोण से पुलिस के लिए हमेशा एक अग्निपरीक्षा की तरह रहता है। यहाँ डकैती, रंगदारी, मर्डर और सीमा पार से होने वाली आपराधिक गतिविधियां पुलिस के लिए हर रोज नई चुनौतियां खड़ी करती हैं। लेकिन युवा एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने कार्यभार संभालते ही साफ कर दिया कि अपराधियों के लिए लोनी में कोई जगह नहीं है। उन्होंने अपने काम करने के तरीके से पुलिसिंग की परिभाषा बदल दी। वे सिर्फ दफ्तर में बैठकर फाइलें साइन करने वाले अधिकारी नहीं थे, बल्कि आधी रात को अचानक थानों का औचक निरीक्षण करना, खुद बुलेटप्रूफ जैकेट पहनकर कॉम्बिंग ऑपरेशन का नेतृत्व करना और क्राइम सीन पर सबसे पहले पहुँचना उनकी पहचान बन गया। बहुत कम समय में अपराधियों के बीच उनके नाम का खौफ फैल गया और वे गाजियाबाद के सबसे लोकप्रिय युवा पुलिस अफसरों में शुमार हो गए।

रिटायर्ड आईएफ जवान योगेश हत्याकांड का सनसनीखेज खुलासा

लोनी के अशोक विहार इलाके में तब सनसनी फैल गई, जब भारतीय वायुसेना के 58 वर्षीय सेवानिवृत्त कर्मचारी योगेश की दो बाइक सवार शूटरों ने अंधाधुंध गोलियां बरसाकर दिनदहाड़े हत्या कर दी। इस वारदात ने कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। मामला बेहद पेचीदा था क्योंकि हत्यारों का कोई सुराग नहीं मिल रहा था। मामले की कमान खुद एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने संभाली। उन्होंने रात-दिन एक कर तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद ली। जब मामले का खुलासा हुआ, तो हर कोई दंग रह गया। बुजुर्ग योगेश की हत्या किसी बाहरी दुश्मन ने नहीं, बल्कि उनके सगे बेटों ने ही संपत्ति के लालच में कराई थी। बेटों ने पिता को रास्ते से हटाने के लिए भारी-भरकम रकम देकर शूटर हायर किए थे, जिसमें उत्तर प्रदेश पुलिस का ही एक निलंबित सिपाही भी शामिल था। सिद्धार्थ गौतम की टीम ने इस वीभत्स हत्याकांड की कड़ियों को जोड़कर सभी आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुँचाया।

गनौली का ब्लाइंड मर्डर और 50 हजारी बदमाश का खात्मा

गाजीपुर/लोनी के गनौली गांव से ओमकार सिंह नाम के व्यक्ति का अचानक अपहरण कर लिया गया और बाद में उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस मर्डर मिस्ट्री का मुख्य आरोपी गौरव नागर पुलिस की पकड़ से बाहर चल रहा था और उस पर पुलिस प्रशासन द्वारा 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। जून 2026 की एक गर्म रात को एसीपी सिद्धार्थ गौतम को गुप्त सूचना मिली कि इनामी बदमाश बंथला-चिरौड़ी रोड से गुजरने वाला है।

सिद्धार्थ ने तुरंत रणनीति बनाई और खुद मोर्चे पर डट गए। जब पुलिस टीम ने बदमाश को घेरकर सरेंडर करने को कहा, तो उसने पुलिस पर सीधी फायरिंग शुरू कर दी। अपनी टीम की जान खतरे में देख सिद्धार्थ गौतम के नेतृत्व में पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की। दोनों तरफ से गोलियां चलीं। जवाबी कार्रवाई में मुख्य आरोपी गौरव नागर के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसे दबोचकर अस्पताल में भर्ती कराया और इस प्रकार एक और सनसनीखेज ब्लाइंड मर्डर केस का पटाक्षेप हुआ।

मासूम बच्ची से दरिंदगी, एनकाउंटर में पकड़ा गया आरोपी

लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में एक बेहद हृदयविदारक मामला सामने आया, जहाँ एक 13 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म किया गया, जिसके चलते वह गर्भवती हो गई। इस घटना ने समाज को झकझोर कर रख दिया था। घटना का मुख्य आरोपी फरार चल रहा था और पुलिस के लिए उसे पकड़ना साख का सवाल बन चुका था। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने इस मामले को व्यक्तिगत संवेदनशीलता के साथ लिया। उन्होंने आरोपी की धरपकड़ के लिए कई टीमें बनाईं।

जून 2026 में ही पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी सेवाधाम-तीलामोड़ रोड के पास छिपा है। जब पुलिस ने घेराबंदी की, तो आरोपी ने खुद को घिरा देख अवैध तमंचे से पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। लेकिन सिद्धार्थ गौतम की टीम पूरी तरह मुस्तैद थी। पुलिस की आत्मरक्षार्थ फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी और वह जमीन पर गिर पड़ा।

पुलिस ने मौके से अवैध हथियार और कारतूस बरामद कर उसे गिरफ्तार किया। पीड़िता और उसके परिवार को न्याय दिलाकर सिद्धार्थ गौतम ने एक बार फिर साबित किया कि वे अपराधियों के लिए काल हैं।

नया मिशन: कविनगर और लाइसेंसिंग विंग की कमान

उनकी इसी बेदाग छवि, कड़क कार्यशैली और प्रशासनिक पकड़ को देखते हुए उन्हें अब गाजियाबाद के सबसे संभ्रांत और महत्वपूर्ण कविनगर सर्किल के एसीपी की कमान सौंपी गई है। कविनगर जैसे संवेदनशील इलाके में जहाँ कानून-व्यवस्था बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है, वहीं सिद्धार्थ गौतम की तैनाती से स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों में सुरक्षा का भरोसा दोगुना हो गया है।

इसके साथ ही, उन्हें लाइसेंसिंग शाखा और पुलिस लाइंस का अतिरिक्त कार्यभार भी दिया गया है। आर्म्स और अन्य लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं में पारदर्शिता लाना और पुलिस लाइंस के प्रबंधन को सुदृढ़ करना उनके नए मिशन का हिस्सा है। अपनी नई भूमिका पर बात करते हुए सिद्धार्थ गौतम बेहद शालीनता से कहते हैं: ₹जिम्मेदारी जितनी बड़ी होगी, काम करने का जज्बा उतना ही मजबूत होगा। कानून सबके लिए बराबर है और अपराधियों के लिए गाजियाबाद में कोई सुरक्षित कोना नहीं है। खाकी के स्वाभिमान, जनता के विश्वास और अपराधियों के काल बन चुके एसीपी सिद्धार्थ गौतम की यह कहानी देश के उन लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा है जो देश सेवा का सपना देखते हैं। गाजियाबाद कमिश्नरेट को गर्व है अपने इस चमकते हुए सितारे पर!

द एनकाउंटर कॉप: सिद्धार्थ गौतम

गाजियाबाद की सड़कों पर जब गूंजता है इस जांबाज का नाम, तो थरथरा उठती है जुर्म की सल्तनत। रात के ढाई बजे हैं। गाजियाबाद की सीमा से लगी बंथला–चिरौड़ी सड़क पर सन्नाटा पसरा है। केवल सिसकती हवाओं और कीड़ों की आवाजें आ रही हैं। अचानक एक बिना नंबर की बाइक की हेडलाइट चमकी। पुलिस की बेरिकेडिंग देखकर बाइक सवार ने यू–टर्न लेने की कोशिश की, लेकिन तभी पीछे से दो गाड़ियां आकर उसका रास्ता रोक देती हैं। गाड़ी का दरवाजा खुलता है। बुलेटप्रूफ जैकेट पहने, हाथ में सर्विस पिस्टल थामे एक युवा और बेहद फिट पुलिस अधिकारी बाहर निकलता है। उसकी आंखों में चीते जैसी सतर्कता है। वह कड़क आवाज में ललकारता है :'पुलिस ने तुम्हें चारों तरफ से घेर लिया है, सरेंडर कर दो!' जवाब में बदमाश की तरफ से गोली चलती है। गोली पुलिस जीप के शीशे को छूती हुई निकल जाती है। लेकिन सामने खड़ा अधिकारी विचलित नहीं होता। वह तुरंत अपनी पोजीशन लेता है। दो सेकेंड के भीतर पुलिस की तरफ से जवाबी फायरिंग होती है। एक तेज चीख गूंजती है और 50 हजार का इनामी हत्यारा पैर में गोली लगने के बाद जमीन पर तड़प रहा होता है। यह कोई फिल्मी सीन नहीं है। यह गाजियाबाद की सड़कों पर कानून का राज स्थापित करने वाले एसीपी सिद्धार्थ गौतम की कार्यशैली की एक बानगी है। सिद्धार्थ गौतम के काम करने का एक खास पैटर्न है। जब भी उनके इलाके में कोई संगीन वारदात होती है, वे तुरंत एक्टिव हो जाते हैं। वे दफ्तर में बैठकर रिपोर्ट का इंतजार नहीं करते, बल्कि : घटना के तुरंत बाद मल्टीपल पुलिस टीमें गठित करते हैं। हर टीम को खुद टास्क अलॉट करते हैं और लगातार ग्रिड मैपिंग के जरिए खुद मॉनिटरिंग करते हैं। तकनीक, मुखबिर तंत्र और ग्राउंड विजिबिलिटी का ऐसा कॉकटेल तैयार करते हैं कि अपराधी को भागने का रास्ता नहीं मिलता। इसीलिए, लोनी में उनके कार्यकाल के दौरान एनकाउंटर्स और त्वरित गिरफ्तारियों का ग्राफ तेजी से ऊपर गया।

वर्तमान और भविष्य, कविनगर में नई चुनौती

लोनी में अपराधियों की कमर तोड़ने के बाद, गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर ने सिद्धार्थ गौतम की कार्यकुशलता पर भरोसा जताते हुए उन्हें कविनगर सर्किल के सहायक पुलिस आयुक्त (ACP) की कमान सौंपी है। इसके साथ ही, उनकी प्रशासनिक दक्षता को देखते हुए उन्हें पुलिस लाइंस और लाइसेंसिंग शाखा का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। लाइसेंसिंग विंग पुलिसिंग का वह हिस्सा है जहां अत्यधिक पारदर्शिता और सतर्कता की जरूरत होती है। सिद्धार्थ गौतम का इस पद पर आना यह दशार्ता है कि विभाग को उनकी ईमानदारी और कार्यशैली पर पूरा भरोसा है। एसीपी सिद्धार्थ गौतम का मानना है कि पुलिस का काम केवल अपराधियों को पकड़ना नहीं, बल्कि समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति के मन में सुरक्षा का भाव जगाना है। वे कहते हैं, 'वर्दी सिर्फ एक नौकरी नहीं है, यह एक जिम्मेदारी है जो हमें जनता की सेवा के लिए ईश्वर और संविधान ने सौंपी है।' निश्चित रूप से, पूर्वी चंपारण की गलियों से शुरू हुआ सिद्धार्थ गौतम का यह सफर आज उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए एक मिसाल बन चुका है। अपनी निष्पक्षता, कठोर अनुशासन और अपराधियों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के चलते वे आने वाले समय में खाकी के आकाश में और भी तेजी से चमकेंगे। मैगजीन परिवार इस जांबाज अधिकारी के उज्ज्वल भविष्य और उनकी राष्ट्रसेवा को सलाम करता है।

द कॉप-एक्शन नरेटिव

यह शैली बेहद डायनेमिक, रोमांचक और एक्शन से भरपूर है। इसमें थ्रिलर उपन्यासों जैसी भाषा का प्रयोग किया गया है, जो पाठक को बांधे रखती है। यह पुलिस की साहसिक मुठभेड़ों, रात के अंधेरे में अपराधियों की घेराबंदी और कड़क लीडरशिप को बेहद शानदार ढंग से प्रोजेक्ट करती है।

लोनी के वो तीन बड़े मामले, जिन्होंने कानून का इकबाल बुलंद किया

लोनी में अपनी तैनाती के दौरान एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने कई ऐसे ब्लाइंड और जटिल मामलों का खुलासा किया, जिन्होंने न केवल गाजियाबाद बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में सुर्खियां बटोरीं। उनके कुछ सबसे चर्चित ऑपरेशन्स इस प्रकार हैं :

गाजियाबाद सदर सीट पर अजय शर्मा की सक्रियता बढ़ी, 2027 चुनाव से पहले दावेदारी मजबूत करने की कवायद

संजय मित्तल

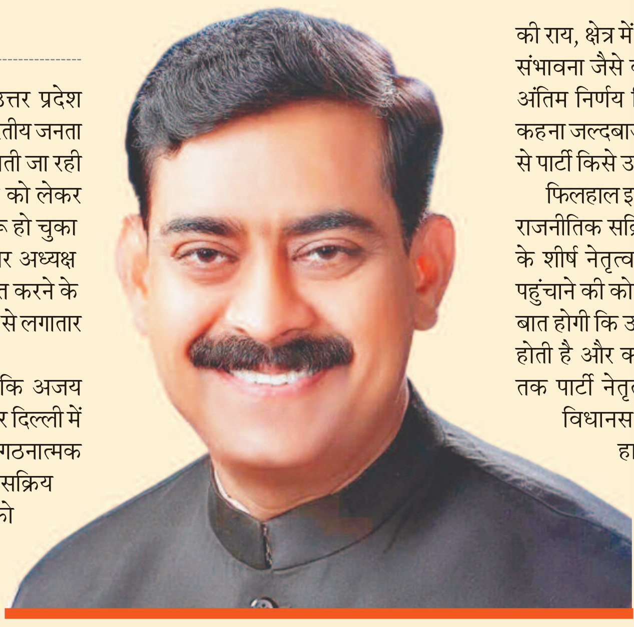

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भारतीय जनता पार्टी में राजनीतिक गतिविधियां तेज होती जा रही हैं। गाजियाबाद सदर विधानसभा सीट को लेकर भी पार्टी के भीतर दावेदारी का दौर शुरू हो चुका है। इसी क्रम में भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष अजय शर्मा अपनी दावेदारी को मजबूत करने के लिए संगठन और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से लगातार मुलाकात कर रहे हैं।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि अजय शर्मा पिछले कुछ समय से लखनऊ और दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के संपर्क में हैं। संगठनात्मक अनुभव और लंबे समय से भाजपा में सक्रिय भूमिका निभाने के कारण वह खुद को गाजियाबाद सदर सीट का मजबूत दावेदार मान रहे हैं। पार्टी कार्यकताओं के बीच भी उनकी सक्रियता लगातार बढ़ी है और वे विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग ले रहे हैं।

गाजियाबाद सदर विधानसभा सीट भाजपा के लिए हमेशा महत्वपूर्ण मानी जाती है। ऐसे में 2027 के चुनाव को देखते हुए कई नेता अपनी-अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। अजय शर्मा भी इसी रणनीति के तहत संगठन के वरिष्ठ नेताओं के साथ संवाद बढ़ा रहे हैं ताकि टिकट वितरण के समय उनकी दावेदारी मजबूत दिखाई दे।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा में टिकट का फैसला केवल व्यक्तिगत दावेदारी से नहीं होता, बल्कि संगठन की रिपोर्ट, कार्यकताओं की राय, क्षेत्र में सक्रियता, जनाधार और जीत की संभावना जैसे कई पहलुओं को ध्यान में रखकर अंतिम निर्णय लिया जाता है। ऐसे में अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि गाजियाबाद सदर सीट से पार्टी किसे उम्मीदवार बनाएगी।

फिलहाल इतना तय है कि अजय शर्मा ने अपनी राजनीतिक सक्रियता बढ़ा दी है और वह संगठन के शीर्ष नेतृत्व तक अपनी बात प्रभावी ढंग से पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। अब देखने वाली बात होगी कि उनकी यह सक्रियता कितनी सफल होती है और क्या वह लखनऊ से लेकर दिल्ली तक पार्टी नेतृत्व का विश्वास जीतकर 2027 विधानसभा चुनाव में भाजपा का टिकट हासिल कर पाते हैं या नहीं।

आने वाले समय में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आएंगे, गाजियाबाद सदर सीट पर राजनीतिक सरगर्मियां और तेज होने की संभावना है। भाजपा के भीतर टिकट को लेकर होने वाली गतिविधियों पर कार्यकताओं के साथ-साथ राजनीतिक जानकारों की भी नजर बनी हुई है। फिलहाल पूर्व महानगर अध्यक्ष अजय शर्मा की बढ़ती सक्रियता ने इस सीट की राजनीतिक चर्चा को नया आयाम जरूर दे दिया है।

नौकरी का झांसा देकर साइबर ठगी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर पर छापा, 20 आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कमिश्नरेट गाजियाबाद की स्वाट टीम, क्राइम ब्रांच और थाना साहिबाबाद पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में नौकरी दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगी करने वाले बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है। पुलिस ने दुर्गा इंडस्ट्रियल एरिया, राजेंद्र नगर में संचालित एक अवैध कॉल सेंटर पर छापेमारी कर 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस आयुक्त के निर्देशन में पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन के पर्यवेक्षण तथा अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) और सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद/अपराध के नेतृत्व में 14 जुलाई 2026 को मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई की गई।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी लोगों को फोन कर नौकरी दिलाने का झांसा देते थे और रजिस्ट्रेशन व प्रोसेसिंग फीस के नाम पर साइबर धोखाधड़ी कर रकम वसूलते थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाले भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बरामद किए हैं।

पुलिस ने सभी 20 आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और गिरोह के नेटवर्क, बैंक खातों तथा अन्य राज्यों से जुड़े संभावित तारों की जांच की जा रही है।